# Shanti

# Model Question Bank

# मॉडल प्रश्न संग्रह

## D.El.Ed. Course

Affiliated :-Aryabhatta Knowledge University, Patna, Bihar

T.N.A.C.E. : Email-id :- info@tnabedcollege.com
Website :- www.tnabedcollege.com

B.M.C.E. : Email- id :- info@bmttc.in
Website :- www.bmttc.in

# प्राक्कथन

## भूमिका

प्रस्तुत "शान्ति मॉडल प्रश्न संग्रह" जो मेरी कृत संकल्पित भाव की एक सोच है। जिसे प्रशिक्षुओं के विषयगत हित में प्रेषित करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है।

"होते नहीं आपके सवाल दिलकश
अक्सर हमारे जवाब, लाजवाब होते हैं।"

उपरोक्त पंक्तियों से स्पष्ट होता है कि किसी प्रश्न का जवाब अपने आप में संपूर्णता के लिए होता है। जिसके लिए आवश्यक है कि प्रश्नों की प्रकृति को समझा जाए।

यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष एवं संतोष का विषय है कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना के अंतर्गत संचालित मेरे दोनों संस्थान (तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव आरा) एवं (भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मोतिहारी) के विद्यार्थियों से जब मैं रूबरू होता था तो उनके विषयगत प्रश्नों की जिज्ञासाओं को देखते हुए मेरे मन में कई तरह के सवाल आते थे। तब मैंने जाना कि आज की पीढ़ी प्रश्नों को ही समझने में विफल हो रही है। तो मेरे मन में विचार आया कि प्रश्नों की प्रकृति एवं उसके उद्देश्यों को प्रशिक्षणार्थियों के बीच में लाने की परम् आवश्यकता है। ताकि परीक्षा के समय परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देते समय अपने संज्ञानात्मक, ज्ञानात्मक, बोधात्मक एवं स्मृति स्तर के क्षमताओं का भरपूर प्रदर्शन, अपने लेखन के माध्यम से प्रस्तुत कर सकें। प्रश्न पत्र परीक्षा का एक महत्वपूर्ण साधन है। प्रश्न पत्र के माध्यम से परीक्षार्थियों के ज्ञान एवं कौशल का मापन किया जाता है।

मैंने इस श्रेष्ठतम विचार को शीघ्र मूर्त रूप देने हेतु अपने दोनों महाविद्यालय के प्राचार्य द्वय एवं सभी प्राध्यापकों के साथ बैठकर इस विषय पर अनेक महत्वपूर्ण सुझाव मांगे। जिस पर सभी शिक्षकों ने सहर्ष सहमति प्रदान करते हुए छात्र हित में इस सुझाव की खूब प्रशंसा की, और अपने–अपने विषय से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्नों को चयन कर इसे एक "मॉडल प्रश्न संग्रह" के रूप में अतिशीघ्र निर्मित करने का निर्णय लिया। सभी विद्वत जनों ने मेरे परामर्श अनुसार सर्वसम्मति से इस प्रश्न बैंक का नाम "शान्ति मॉडल प्रश्न संग्रह" रखा। इस प्रश्न संग्रह में प्रश्नपत्र निर्माण के समस्त पहलुओं पर विचार किया गया है।

**उद्देश्य एवं लाभ –**

इस प्रस्तुत मॉडल प्रश्न संग्रह का उद्देश्य डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के आंतरिक एवं बाह्य परीक्षाओं में पूछे जाने वाले सभी विषयगत संभावित प्रश्नों का यथावत उत्तर देते हुए परीक्षा में अधिकाधिक अंक प्राप्त करके इसका लाभ उठाने से है। डी0एल0एड0 प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के सभी प्रश्न पत्र 22 विषयों के महत्वपूर्ण प्रश्नों की एक सूची तैयार की गई है। पाठ्यक्रम की इकाई के अनुसार सभी प्रश्नों को आदर्श प्रश्नपत्र सेट में समाहित किया गया है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना से संचालित महाविद्यालयों में अध्ययनरत डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं के लिए यह पुस्तक अधिक कारगर सिद्ध होगी।

**निष्कर्ष**

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर करती है कि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षु अपने कल्पनाशील गतिविधियों एवं इस प्रश्न बैंक की मदद से परीक्षा में अधिकाधिक अंक प्राप्त करके अपने भविष्य को संवारने में कितना अवसर का लाभ उठा सकते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आजादी दी जाए तो प्रशिक्षु विशेषज्ञों द्वारा सौंपी जा रही इस प्रश्न संग्रह सामग्री से जुड़कर और जुझकर नये ज्ञान का सृजन कर सकते हैं।

सृजना और पहल को विकसित करने के लिए जरूरी है कि हम छात्रों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार माने और बनायें, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें। यह उद्देश्य कॉलेज की दैनिक जिंदगी और कार्यशैली में काफी फेरबदल की मांग करते हैं। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियां भी इस बात को तय करेंगी कि यह प्रश्न संग्रह प्रशिक्षण महाविद्यालय के छात्रों को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होगी।

**आभार**

"शान्ति मॉडल प्रश्न संग्रह" के इस सेट के प्रकाशन में मैं अपने महाविद्यालय के प्राचार्य द्वय डॉ0 राहुल कुमार पाण्डेय एवं डॉ0 मिथिलेश कुमार शुक्ला जी का विशेष आभारी हूं। जिनके नेतृत्व में सभी शिक्षक ने इस "शान्ति मॉडल प्रश्न संग्रह" के मुद्रण में अपना अद्वितीय सहयोग प्रदान किया। इस क्रम में मैं उन समस्त महानुभावों के प्रति भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से इस प्रश्न संग्रह के विकास में अपना असाधारण एवं बहुमूल्य योगदान प्रदान किया है।

आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है, कि प्रशिक्षु इसका अध्ययन करके परीक्षा में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करके सफलता के सोपान पर आरुढ़ हो सकेंगे।

"मैं प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।"

डॉ. कृष्ण मुरारी अग्रवाल
सचिव
टी.एन.ए.टी.टी.सी, हरिगाँव
एवं
बी.एम.टी.टी.सी, मोतिहारी

# आमुख

प्रस्तुत मॉडल प्रश्न पत्र संग्रह तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव एवं भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मोतिहारी के संयुक्त तत्वाधान में डॉ0 कृष्ण मुरारी अग्रवाल, सचिव (टी.एन.ए.टी.टी.सी एवं बी.एम.टी.टी.सी) के प्रेरणा स्वरूप तथा प्राचार्य द्वय (डॉ0 राहुल कुमार पाण्डेय, प्राचार्य टी.एन.ए.टी.टी.सी एवं डॉ0 मिथलेश शुक्ला, प्राचार्य बी.एम.टी.टी.सी)के निर्देशन में तथा संयोजक श्री नीरज तिवारी, श्री राजेश्वर कुमार विश्वकर्मा एवं श्री मनोज तिवारी के नेतृत्व में महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापकों के सहयोग से तैयार किया गया है। यह मॉडल प्रश्न पत्र सभी विषयों के पाठ्यक्रम के साथ–साथ विश्वविद्यालय के वाह्य परीक्षा को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। महाविद्यालय के वाह्य परीक्षा में दीर्घउत्तरीय, लघुउत्तरीय तथा बहुवैकल्पिक प्रश्न पुछे जाते है, अतः उसी के अनुरूप समस्त प्रश्न पत्रों को मॉडल प्रश्न पत्र सेट में समाहित किया गया है।

इस मॉडल प्रश्न पत्र सेट में डी0एल0एड0 प्रथम और द्वितीय वर्ष के सभी प्रश्न पत्र 22 विषयों के महत्वपुर्ण प्रश्नों की एक सूची तैयार की गयी है। इन प्रश्न पत्रों में डी0एल0एड0 प्रशिक्षुओं को वाह्य परीक्षा की तैयारी करने में सहुलियत होगी। पुस्तक में युनिट के हिसाब से महत्वपूर्ण प्रश्नों को सूचीबद्ध किया गया है, जिसे यूनिट के हिसाब से तैयारी करने में प्रशिक्षुओं को सुविधा होगी।

मॉडल प्रश्न पत्र के इस सेट के प्रकाशन में तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव एवं भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मोतिहारी के समस्त सहायक प्राध्यापकों का सहयोग रहा साथ ही टाइप से संबंधित कार्यों में दोनों कॉलेजों के शिक्षकेत्तर सहयोगीयों का भी सराहनीय योगदान रहा। हम इन सभी को हार्दिक आभार व्यक्त करते है।

इस मॉडल प्रश्न पत्र संग्रह के द्वारा हम प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

शुभ कामनाओं के साथ

**डॉ. राहुल कुमार पाण्डेय**
प्राचार्य
टी. एन. ए. टी. टी. सी.
हरिगाँव, आरा

संयोजक
**श्री नीरज तिवारी**
टी. एन. ए. टी. टी. सी.
हरिगाँव, आरा

**डॉ. मिथिलेश कुमार शुक्ला**
प्राचार्य
बी. एम. टी. टी. सी.
मोतिहारी

**श्री राजेश्वर कुमार विश्वकर्मा**
सहायक प्राध्यापक
टी. एन. ए. टी. टी. सी.

**श्री मनोज तिवारी**
सहायक प्राध्यापक
बी. एम. टी. टी. सी

## INDEX - 1
## D.El.Ed. 1st YEAR


| Sr. No | Paper Name | Paper Code | Page No |
|---|---|---|---|
| 1 | समाज, शिक्षा और पाठ्यचर्या की समझ | F - 1 | 7 |
| 2 | बचपन और बाल विकास | F - 2 | 9 |
| 3 | प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा | F - 3 | 11 |
| 4 | विद्यालय संस्कृति, परिवर्तन और शिक्षक विकास | F - 4 | 14 |
| 5 | भाषा की समझ तथा आरम्भिक भाषा विकास | F - 5 | 16 |
| 6 | शिक्षा में जेंडर एवं समावेशी परिपेक्ष्य | F - 6 | 18 |
| 7 | गणित का शिक्षणशास्त्र –1 (प्रारंभिक स्तर) | F - 7 | 20 |
| 8 | हिंदी का शिक्षणशास्त्र – 1 (प्रारंभिक स्तर) | F - 8 | 22 |
| 9 | Proficiency of English | F - 9 | 24 |
| 10 | पर्यावरण अध्ययन का शिक्षणशास्त्र | F - 10 | 26 |
| 11 | कला समेकित शिक्षा | F - 11 | 28 |
| 12 | शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनिकी | F - 12 | 30 |


## INDEX - 2
## D.El.Ed. 2nd YEAR


| Sr. No | Paper Name | Paper Code | Page No |
|---|---|---|---|
| 1 | समकालीन भारतीय समाज में शिक्षा | S - 1 | 33 |
| 2 | संज्ञान, सीखना और बाल विकास | S - 2 | 35 |
| 3 | कार्य और शिक्षा | S - 3 | 37 |
| 4 | स्वयं की समझ | S - 4 | 38 |
| 5 | विद्यालय में स्वास्थ्य, योग एवं शारीरिक शिक्षा | S - 5 | 40 |
| 6 | Pedagogy of English (Primary Level) | S - 6 | 42 |
| 7 | गणित का शिक्षणशास्त्र – 2 (प्राथमिक स्तर) | S - 7 | 44 |
| 8 | हिन्दी का शिक्षणशास्त्र – 2 (प्राथमिक स्तर) | S - 8 | 46 |
| 9 | समाजिक विज्ञान | S - 9 (A) | 48 |
| | विज्ञान | S - 9 (B) | 50 |

# D.El.Ed.

# 1st Year

# Paper Code - F - 1
## विषय– समाज, शिक्षा और पाठ्यचर्या की समझ
## लघु उत्तरीय प्रश्न

1. समाजीकरण की अवधारणा को स्पष्ट करें।
2. समाजीकरण की प्रक्रिया परिवार से प्रारंभ होती है। स्पष्ट करें।
3. समाजीकरण में सहायक विभिन्न कारकों को स्पष्ट करें।
4. बाल अधिकारों के बारे मे क्या जानते हैं ?
5. बालक के समाजीकरण में विद्यालय के योगदान को लिखें।
6. उपेक्षित वर्गों के बच्चों के लिए शिक्षा व्यवस्था में आप क्या सुधार कर सकते हैं ?
7. समाज एवं विद्यालय के संबंधों को लिखें।
8. शिक्षा की प्रकृति को स्पष्ट करें।
9. बालक के व्यावहारिक शिक्षा में परिवार के योगदान को स्पष्ट करें।
10. ''मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है'' कैसे ?
11. विद्यालय एक लघु समाज है। वर्णन करें।
12. शिक्षा के ऐतिहासिक स्वरूप को लिखें।
13. औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा में क्या अन्तर है ?
14. शिक्षा के विभिन्न उद्देश्यों को लिखें।
15. वर्तमान समय में व्यावहारिक शिक्षा क्यों आवश्यक है ?
16. महात्मा गांधी के 'हिन्द स्वराज' में किस तरह की शिक्षा को रेखांकित किया गया है ?
17. गिजुभाई बधेका का शिक्षा में क्या योगदान है ?
18. रवीन्द्रनाथ टैगोर के शिक्षा दर्शन को स्पष्ट करें।
19. बाल शिक्षा के लिए मारिया मांटेसरी के प्रयासों का वर्णन करें।
20. हंटर आयोग (1882) की विशेषताओं को लिखें।
21. ज्योतिबा फुले द्वारा निर्धन बालकों एवं महिला शिक्षा उत्थान के लिए किये गए प्रयासों का वर्णन करें।
22. महात्मा गांधी के बुनियादी शिक्षा का वर्णन करें।
23. बालकेन्द्रित शिक्षा के महत्व को स्पष्ट करें।
24. जे. कृष्णमूर्ति द्वारा सीखने–सीखाने में संवाद विधि की भूमिका को रेखांकित करें।
25. जॉन डीवी की शिक्षा दर्शन को लिखें।
26. पाठ्चर्या एवं पाठयक्रम में क्या अन्तर है ?
27. बिहार के लिए अलग पाठ्यक्रम की आवश्यकता क्यों है ?
28. शिक्षा में स्थानीय भाषा के महत्व को लिखें।
29. शिक्षा मानव को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्त करती है। स्पष्ट करें।
30. गाँधी जी के दार्शनिक विचारों की विवेचना कीजिए।

# दीर्घ उतरीय प्रश्न

1. समाजीकरण एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। स्पष्ट करें।
2. समाजीकरण में परिवार एवं पड़ोस के योगदान को स्पष्ट करें।
3. शिक्षा की प्रकृति एवं प्रकार का वर्णन करें।
4. शिक्षा विद्यालय और समाज के अंतर्सम्बधों को स्पष्ट करें।
5. बालक के समाजीकरण में विद्यालय के योगदान को स्पष्ट करें।
6. बालक के समाजीकरण में सहायक विभिन्न कारकों की भूमिका एवं प्रभावों का वर्णन करें।
7. शिक्षा की अवधारणा एवं विभिन्न उद्देश्यों को स्पष्ट करें।
8. ज्ञान के विविध स्वरूप एवं अर्जन के तरीकों को स्पष्ट करें।
9. महात्मा गाँधी के शैक्षिक उपलब्धियों को स्पष्ट करें।
10. गिजुभाई बधेका के शौक्षिक एवं समाजिक योगदान का उल्लेख करें।
11. एक दार्शनिक के रूप में रवीन्द्रनाथ टैगोर के उपलब्धियों का उल्लेख करें।
12. मारिया मांटेसरी का शैक्षिक उपलब्ध्यों का वर्णन करें।
13. महिला शिक्षा एवं सामाजिक उत्थान में ज्योतिबा फुले के योगदान का वर्णन करें।
14. बालकेन्द्रित शिक्षा क्या है ? बालकेन्द्रित शिक्षा के महत्व को डॉ0 जाकिर हुसैन के शैक्षिक लेख के आधार पर वर्णन करें।
15. जॉन डीवी के अनुसार शिक्षा में प्रयोजनवाद के अवधारणा, महत्व एवं उद्देश्यों को स्पष्ट करे।
16. पाठ्यक्रम की अवधारणा एवं पाठ्यक्रम निर्माण के विविध आधार का उल्लेख करें।
17. विद्यालयों में समाजीकरण को प्रभावित करने में पाठचर्या की क्या भूमिका है ?
18. बच्चों के अधिकारों का व्याख्या करें, तथा उनके महत्वों को लिखें।
19. बालक के विकास में विद्यालय एवं समुदाय के योगदान को स्पष्ट करें।
20. वे कौन सी परिस्थितियॉ हैं, जिनके कारण बच्चों का बचपन छिन जाता है ? उदाहरण के साथ स्पष्ट करें।
21. पाठ्यचर्या रूप रेखा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए।
22. बिहार राज्य के लिए पृथक पाठ्यक्रम की आवश्यकता विषय पर अपने विचारों को स्पष्ट कीजिए।
23. बिहार में स्कूली शिक्षा के लक्ष्य एवं उद्देश्य क्या रहे है ? इसमें आप क्या परिवर्तन करना चाहेगें ?
24. आदर्श शिक्षक के गुणों का वर्णन करें।
25. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उपलब्धियों का व्याख्या करें।

# Paper Code - F – 2
# विषय – बचपन और बाल विकास
# लघु उतरीय प्रश्न

1. बच्चे तथा बचपन की अवधारणा को स्पष्ट करें।
2. वृद्धि तथा विकास के अन्तर्सम्बन्धों की व्याख्या करें।
3. बाल विकास से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट करें।
4. शिक्षकों के लिए बाल विकास का अध्ययन क्यों आवश्यक है ?
5. वृद्धि तथा विकास में अन्तर को स्पष्ट करें।
6. किशोरावस्था जीवन का सबसे कठिन काल है स्पष्ट करें।
7. शैशवावस्था में शारीरिक विकास की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
8. चलने की गति में विलम्ब के क्या कारण हैं ?
9. बालक के जीवन में क्रियात्मक विकास का क्या महत्व है ?
10. क्रियात्मक विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों का वर्णन करें।
11. बच्चों के शारीरिक व मनोगत्यात्मक विकास की अवधारणा को स्पष्ट करें।
12. ''एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।'' इस कथन की व्याख्या करें।
13. आप अपने विद्यालय में पाये जाने वाले बच्चों की सृजनात्मकता के कुछ उदाहरणों को प्रस्तुत करें।
14. सृजनात्मकता बच्चों के विषय सीखने में किस प्रकार सहायक है। स्पष्ट करें।
15. बच्चे विद्यालय आने के लिए प्रतिदिन तत्पर हो इसके लिए शिक्षक की क्या भूमिका है ?
16. सृजनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाले प्रमुख उपायों का वर्णन करें।
17. सृजनशील व्यक्तित्व की विशेषताओं का उल्लेख करें।
18. सीखने में सृजनात्मकता की भूमिका को स्पष्ट करें।
19. आप अपने विद्यालय में बच्चों को कौन–कौन प्रकार के खेल खेलाते है ? किसी एक खेल से सम्बन्धित बच्चों के विकास का वर्णन करें।
20. खेल बच्चों के लिए क्यों आवश्यक है ? वर्णन करें।
21. शिक्षा में "खेल प्रणाली" पर टिप्पणी लिखें।
22. विद्यालय में खेल शिक्षक की अनिवार्यता क्यों है ? स्पष्ट करें।
23. हॉकी खेल के नियमों का उल्लेख करें।
24. खेल के प्रमुख सिद्धान्तों का वर्णन करें।
25. जॉन बाल्बी के लगाव के सिद्धान्त का वर्णन करें।
26. बच्चों के संवेगात्मक विकास में परिवार की भूमिका का वर्णन करें।
27. व्यक्तित्व के प्रमुख प्रकार कौन–कौन है ?
28. व्यक्तित्व के अर्थ को स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करें।
29. भावनात्मक एवं नैतिक पहलुओं का व्यक्तित्व विकास में एक महत्वपूर्ण स्थान होता है। स्पष्ट करें।
30. अन्तर्मुखी और बर्हिमुखी व्यक्तित्व के अर्थ को स्पष्ट करें।

# दीर्घ उतरीय प्रश्न

1. बाल विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों का वर्णन करें।
2. शैशवावस्था, बाल्यावस्था और किशोरावस्था की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करें।
3. किशोरावस्था बड़े संघर्ष, तनाव, तूफान तथा विरोध की अवस्था है। स्टेनले हॉल के इस कथन की व्याख्या करें।
4. बचपन को प्रभावित करने वाले मनो–सामाजिक कारकों की विस्तृत विवेचना कीजिए।
5. किशोरावस्था में शिक्षा के स्वरूप का वर्णन करें।
6. शैशवावस्था, से लेकर किशोरावस्था तक के बच्चों का शारीरिक विकास को संक्षेप में वर्णन करें।
7. शारीरिक विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों का संक्षेप में वर्णन करें।
8. गत्यात्मक/क्रियात्मक विकास को परिभाषित कीजिए तथा उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।
9. शारीरिक व मनोगत्यात्मक विकास का संबंध सिर्फ शरीर से नहीं है बल्कि उसका प्रभाव सीखने की अन्य प्रक्रियाओं पर भी पड़ता है। स्पष्ट करें।
10. शारीरिक व मनोगत्यात्मक विकास में शिक्षक एवं माता–पिता किस प्रकार की भूमिका को स्पष्ट करें।
11. सृजनात्मकता से आप क्या समझते हैं ? एक सृजनशील बालक के विभिन्न गुणों की चर्चा करें।
12. सृजनात्मकता को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों की विवेचना कीजिए।
13. सृजनात्मकता को परिभाषित कीजिए तथा सृजनशीलता के विकास में शिक्षक की भूमिका को स्पष्ट करें।
14. विद्यालय में छात्रों की सृजनात्मकता को प्रभावित करने वाले कारकों का उल्लेख कीजिए।
15. सृजनशीलता के विकास में बाधक तत्वों का वर्णन करें।
16. खेल के मुख्य प्रकार कौन कौन से है ? खेल संचालन में शिक्षक की भूमिका का वर्णन करें।
17. खेल बालक के व्यक्तित्व के सभी अंगो को प्रभावित करता है। इस कथन को स्पष्ट करें।
18. खेल की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालें।
19. खेल विधि पर आधारित विभिन्न शिक्षण विधियों का उल्लेख करें।
20. खेल के अर्थ एवं परिभाषा को लिखें। खेल में योग के महत्व पर प्रकाश डालें।
21. जीन पियाजे के नैतिक विकास के सिद्धान्त का वर्णन करें।
22. व्यक्तित्व क्या है ? उसके विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख तत्वों का उल्लेख करें।
23. व्यक्तित्व विकास से सम्बन्धित एरिक्सन के सिद्धान्त की व्याख्या करें।
24. कोहलबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धान्त का वर्णन करें।
25. संवेगात्मक विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों का उल्लेख करें।

# Paper Code - F – 3
## विषय– प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा
## लघु उतरीय प्रश्न

1. ई.सी.सी.ई. पाठ्यचर्या के मुख्य उद्देश्यों को स्पष्ट करें।
2. बाल विकास के विभिन्न आयामों की व्याख्या करें।
3. ई.सी.सी.ई. पाठ्यचर्या को लागू करने में विद्यालय की भूमिका को स्पष्ट करें।
4. ई.सी.सी.ई. पाठ्यचर्या को लागू करने में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है कैसें ?
5. प्रारम्भिक बाल्यावस्था में खेल विधियों के आयोजन का क्या महत्व है।
6. सूक्ष्म एवं स्थूल गतिक कौशलों के मध्य अंतर स्पष्ट करें।
7. प्रारम्भिक वर्षों में भाषा विकास की प्रक्रिया क्या है ? स्पष्ट करें।
8. प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में बच्चों की प्रगति जानने से पूर्व उनकी क्षमताओं का आकलन जरूरी है, कैसे ?
9. बिहार मे प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा की चुनौतिया क्या है ?
10. राज्य में प्रारम्भिक बाल्यावस्था शिक्षा को 8 वर्ष तक विस्तार देने का क्या अर्थ है ?
11. समावेशी शिक्षा का क्या अर्थ है ?
12. शिशु विहार पद्धति के क्या उद्देश्य है ?
13. किंडर गार्टन (शिशु विहार प्रणाली) के दोष बतावें।
14. प्रारम्भिक बाल्यावस्था के देखभाल से आप क्या समझते है ?
15. किंडर गार्टन (शिशु विहार प्रणाली) के गुणों की चर्चा करें।
16. शिक्षा आयोग 1964–66 के अनुसार पूर्व प्राथमिक शिक्षा के क्या उद्देश्य हैं ?
17. निरीक्षण विधि क्या है ?
18. मंदबुद्धि के बालकों के शिक्षण विधि में क्या–क्या विशेषताएँ होनी चाहिए।
19. बच्चों में संवेगात्मक विकास से आप क्या समझते है ?
20. संवेगात्मक विकास को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन करें।
21. बाल्यावस्था में शारीरिक विकास का वर्णन करें।
22. बाल्यावस्था में सामाजिक विकास से आप क्या समझते है ?
23. सामाजिक विकास को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन करें।
24. मानसिक विकास को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन करें।
25. घर के वातावरण बच्चों के विकास को किस प्रकार प्रभावित करता है।
26. रचनात्मक खेल क्या है ?
27. प्रारम्भिक बाल्यावस्था में समांन्तर खेल का अर्थ स्पष्ट करें।
28. बाल्यावस्था में सामाजिक विकास का भाव स्पष्ट करें।
29. पुनरावृत्ति– फ्रोबेल के शिशु–विहार के गुणों को बताएँ।
30. भाषा विकास की अवधारणाओं का वर्णन करें।

31. व्यक्तिगत विभिन्नता क्या है ? अर्थ एवं परिभाषा स्पष्ट करें।
32. व्यक्तिगत अध्ययन से आप क्या समझते है ?
33. खेल का शैक्षिक महत्व बताएँ।
34. पूर्व प्राथमिक शिक्षा का क्या महत्व है ?
35. साक्षात्कार के प्रकारों का वर्णन करें।
36. पाठ्यक्रम के सर्वांगीण विकास के सिद्धान्त को समझाएँ।
37. बालवाड़ी पोषण क्या है ?
38. भोड़यूल आँगनबाड़ी से क्या समझते है ?
39. वृद्धि और विकास के अंतर को स्पष्ट करें।
40. प्रारम्भिक बाल्यावस्था के चारित्रिक विकास किस प्रकार से होता है।
41. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के उद्देश्य बतायें।
42. प्रेक्षण का महत्व बतावें।
43. फ्रोबेल के अनुसार खेल के महत्व को बताए।
44. खेल–कूद के दौरान बच्चों में सृजनात्मक एवं कल्पनात्मक शक्ति का विकास किस प्रकार से होता है।
45. प्रश्नवाली विधि का क्या महत्व है ?

## दीर्घ उतरीय प्रश्न

1. बाल्यावस्था की अवधारणा को स्पष्ट करते हए उनकी संकल्पना पर प्रकाश डालिए।
2. प्रारम्भिक बाल्यावस्था से आप क्या समझते है ? इसकी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करे।
3. प्रारम्भिक बाल्यावस्था में शिक्षा का स्वरूप पर प्रकाश डालें।
4. ECCE का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
5. ई.सी.सी.ई. की आवश्यकता एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालें।
6. किंडर गार्टन के मुख्यउद्देश्य एवं इसके गुणों दोषों पर प्रकाश डालें।
7. बचपन की आधुनिक अवधारणा के विकास की स्थिति को विकासपूर्वक समझाइए।
8. बचपन को आकार प्रदान करने वाले विभिन्न कारक कौन से है ? वर्णन करें।
9. एक संतुलित तथा संदर्भयुक्त ई.सी.सी.ई. पाठ्यचर्या की समझ प्रस्तुत करें।
10. शैक्षिक कार्यक्रम के आयोजन से आप क्या समझते है। विद्यालय में शैक्षणिक कार्यक्रमों के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करें।
11. प्राथमिक विद्यालयों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के विस्तार का अर्थ एवं आधार पर प्रकाश डालें।
12. प्रोजेक्ट विधि से आप क्या समझते है, प्रोजेक्ट के चयन, पद्धति के गुण एवं दोषों को रेखांकित करें।
13. बच्चों की प्रगति के विभिन्न संकेतक एवं मानकों पर प्रकाश डालें।
14. अधिगम शिक्षण और आकलन को बेहतर बनाने के लिए कौन कौन सी युक्तियाँ होनी चाहिए ? विस्तृत वर्णन करें।
15. आकलन से आप क्या समझते है आकलन की परिभाषा दीजिए तथा शिक्षा में आकलन किस प्रकार होता है।
16. रूपात्मक एवं संकलनात्मक आकलन का वर्णन किजिए।

17. राष्ट्रीय पाठ्यक्रम संरचना 2005 के सिद्धान्तों एवं उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

18. व्यक्तित्व निमार्ण में बाल्यकाल के अनुभवों का महत्व पर प्रकाश डालें।

19. बिहार शिक्षा परियोजना क्या है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

20. बिहार में प्राथमिक शिक्षा की मुख्य समस्याएँ क्या है ? उनके निराकरण के लिए व्यवहारिक सुझाव दीजिए।

21. निम्नांकित पर संक्षिप्त टिप्पणीयाँ लिखिए।

(A) एन0 सी0 टी0 ई0 (B) डायट

22. बिहार में शिक्षा की असमानता को दूर करने के लिए किए जाने वाले प्रयासों का वर्णन करे।

23. भारत में निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा की उन्नति के मार्ग में मुख्य कठिनाइयाँ क्या है ? कोठारी आयोग ने उनकी सुलझाने के लिए क्या प्रस्ताव दिए हैं।

24. वर्तमान समय में शिक्षा को लेकर क्या प्रमुख चुनौतियाँ हैं ? नीतिगत दस्तावेजों को ध्यान में रखते हुए बिहार विशेष के संदर्भ में समझाएँ।

25. बच्चे बचपन और उनके विकास को बिहार के विशेष संर्दभ में रेखांकित करें।

# Paper code - F - 4
## विषय– "विद्यालय संस्कृति परिवर्तन और शिक्षक विकास"
## लघुउत्तरीय प्रश्न

1. विद्यालय प्रबंधन की व्यवस्था में अनुशासन के महत्व बताएँ।
2. विद्यालय संस्कृति के संगठनात्मक पहलु में आलोचनात्म समझ की व्याख्या करें ?
3. आपदा प्रबंधन को समझाएँ ?
4. विद्यालय प्रबंधन में मीना मंच की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ?
5. समावेशी शिक्षण के अनुरूप विद्यालय संगठन की व्याख्या कीजिए ?
6. कला समेकित शिक्षा के माध्यम से शिक्षण में बदलाव के घटक को स्पष्ट कीजिए ?
7. सूचना संचार तकनीकी उपकरण के नाम व किसी एक का संक्षिप्त में वर्णन करें।
8. कक्षा–कक्ष की प्रकृति जो परम्पारागत है, उसकी समझ की व्याख्या करें ?
9. कक्षा–कक्ष संचालन की व्यवस्था में सीखने सिखाने कि विधि कौन–कौन है ?
10. कक्षा–कक्ष में सम्प्रेषण की विधि को स्पष्ट कीजिए।
11. सीखने की योजना में स्वमूल्यांकन के उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।
12. पाठ्य सहगामी व सह–शैक्षिक क्रियाए, कला, खेल के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
13. सीखने–सिखाने के दौरान आने वाली प्रमुख चुनौतियों को स्पष्ट कीजिए।
14. विद्यालय में आकलन एवं मूल्यांकन की व्यवस्था का वर्णन कीजिए।
15. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रकार व स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ?
16. शिक्षक वृतिक विकास की आवश्यकता का वर्णन करें।
17. विद्यालय में नेतृत्व व्यवस्था में शिक्षक की प्रशासनिक समझ की व्याख्या करें ?
18. शिक्षक के तनाव के कारण व निदान के उपाय को स्पष्ट कीजिए ?
19. शिक्षक के वृत्तिक विकास में स्वाध्याय, लेखन की समझ का व्याख्या कीजिए ?
20. शिक्षक के वृतिक विकास में सहकर्मियों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए ?
21. सेंकुल  संसाधन केन्द्र के कार्य को स्पष्ट कीजिए ?
22. जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) के कार्य का वर्णन करें।
23. प्रारम्भिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय के कार्य शैली की व्याख्या कीजिए।
24. बिहार शिक्षा परियोजना परिषद (BEPC) के कार्य को स्पष्ट करें।
25. बिहार विद्यालय परीक्षा बोर्ड (BSEB) के कार्य को स्पष्ट करें।
26. बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के कार्य का वर्णन करें।
27. सर्व शिक्षा अभियान की व्याख्या कीजिए।
28. समेकित बाल शिक्षा योजना क्या है ?
29. बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने वाली विशेष योजना क्या है ?
30. उपेक्षित वर्ग के बालकों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने वाली विशेष योजनाए क्या है ?

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. विद्यालय संस्कृति के संगठनात्मक पहलू की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
2. विद्यालय संस्कृति के संगठनात्मक पहलू की संरचना की व्याख्या कीजिए।
3. विद्यालय संस्कृति के संगठनात्मक पहलू के घटको की आलोचनात्मक समझ को स्पष्ट कीजिए।
4. विद्यालय प्रबंधन की व्यवस्था और अंतर्निहित मान्यताओं की विभिन्न घटकों को स्पष्ट कीजिए।
5. विद्यालय प्रबंधन की व्यवस्था और अंतर्निहित मान्यताएँ कार्य संस्कृति तथा अनुशासन का विस्तार पूर्वक व्याख्या कीजिए।
6. विद्यालय प्रबंधन की व्यवस्था में समय प्रबंधन, आपधा प्रबंधन, को स्पष्ट कीजिए।
7. विद्यालय प्रबंधन की व्यवस्था में बाल संसद व मीना मंच की भूमिका का वर्णन कीजिए ?
8. विद्यालय के प्रबंधन से सम्बन्धित दस्तावेज व विभिन्न रिकॉर्ड रख–रखाव की समझ का विस्तार पूर्वक व्याख्या कीजिए ?
9. विद्यालय के प्रबंधन से सम्बन्धित दस्तावेज के आकलन एवं उपयोगिता की समझ की व्याख्या कीजिए।
10. विद्यालय में दिन की शुरूआत, चेतना सत्र की अवधारणा एवं उद्देश्य तथा छात्रों को लाभ की समझ का वर्णन कीजिए ?
11. विद्यालय भवन का सृजनात्मक प्रयोग सीखने–सीखाने के माध्यम की समझ को स्पष्ट कीजिए ?
12. शिक्षा के अधिकार के अन्तर्गत विद्यालयी व्यवस्था में परिवर्तन के माध्यम को स्पष्ट कीजिए ?
13. शिक्षा के अधिकार की समझ को स्पष्ट कीजिए ?
14. समावेशी शिक्षा के अनुरूप विद्यालय संगठन को स्पष्ट कीजिए ?
15. समावेशी शिक्षा की अवधारणा व उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ?
16. कला समेकित शिक्षा के माध्यम से विद्यालयी परिवेश एवं कक्षायी शिक्षण में बदलाव को विस्तार पूर्वक वर्णन करें।
17. कला समेकित शिक्षा की अवधारणा तथा महत्व को स्पष्ट कीजिए ?
18. शिक्षण व प्रशिक्षण से सूचना संचार तकनीकी प्रक्रिया में प्रयोग को स्पष्ट कीजिए ?
19. सूचना व संचार तकनीकी का कक्षा कक्ष मे उपयोग की समझ की व्याख्या करें ?
20. कक्षा कक्ष की प्रकृति परम्परागत, बालकेन्द्रित, लोकतांत्रिक, सृजनात्मक, आदि को स्पष्ट कीजिए ?
21. सीखने की योजना (लर्निंग प्लान) की अवधारणा, व योजना, क्रियान्वयन तथा स्वमूल्यांकन की समझ की व्याख्या कीजिए ?
22. पाठ्य–सहगामी व सह–शैक्षिक क्रियाओं का महत्व योजना निर्माण, क्रियान्वयन (गतिविधियॉ) कला, खेल, इत्यादि की व्याख्या कीजिए ?
23. सीखने–सिखाने के दौरान आने वाली प्रमुख चुनौतियों तथा अनुपूरक शिक्षण की व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए ?
24. विद्यालय में आकलन व मूल्यांकन की सतत् एवं व्यापक आकलन की व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए ?
25. शिक्षक वृत्तिक विकास की अवधारणा, आवश्यकता व गतिगत विमर्श व सीमाएं को स्पष्ट कीजिए ?
26. शिक्षक के प्रशिक्षण कार्यक्रम की आवश्यकता, महत्व प्रकार व उद्देश्य का वर्णन कीजिए ?
27. शिक्षक तनाव प्रबंधन की अवधारणा, तनाव के कारण व निदान की समझ की व्याख्या करें ?
28. राज्य स्तरीय संस्थाएँ राज्य शिक्षण शोध एवं प्रशिक्षण परिषद को स्पष्ट कीजिए ?
29. निकटवर्ती जिला स्तरीय संस्थाएँ संकूल समाधान केन्द्र, प्रखण्ड संसाधन के कार्यो का वर्णन कीजिए ?
30. अर्न्तराष्ट्रीय एवं गैर सरकारी संस्थाऍ – यूनिसेफ, वर्ल्ड बैक के योगदान को विस्तार पूर्वक समझाएँ ?

# Paper Code - F – 5

## विषय– भाषा की समझ एवं आरम्भिक भाषा विकास

## लघु उतरीय प्रश्न

1. भाषा का अर्थ स्पष्ट करें।
2. भाषा के प्रकार लिखें।
3. लिखित भाषा का अर्थ स्पष्ट करें।
4. मौखिक भाषा का अर्थ स्पष्ट करें।
5. लिखित और सांकेतिक भाषा में अन्तर लिखे।
6. भाषा की विशेषता लिखें।
7. बिहार में बोली जाने वाली भाषाओं का नाम लिखें
8. बोली का अर्थ स्पष्ट करें।
9. भारत मे बोली जाने वाली भाषाओं की कुल संख्या लिखें।
10. अष्टमसूची में स्थान प्राप्त भाषाओं का नाम लिखे।
11. भारोपीय परिवार का आशय स्पष्ट करें।
12. बहुभाषिकता का अर्थ स्पष्ट करें।
13. भारोपीय परिवाार में स्थान प्राप्त भाषाओं का उल्लेख करें।
14. भोजपुरी भाषा के ऐतिहासिक पृष्टभूमि का उल्लेख करें।
15. ध्वनि संरचना का अर्थ स्पष्ट करें।
16. शब्द संरचना क्या है ?
17. प्रोक्ति की अवधारणा स्पष्ट करें।
18. भाषा की नियमबद्ध प्रक्रिया का वर्णन करें।
19. वाक्य के भेद लिखें।
20. संयुक्त वाक्य की परिभाषा लिखें।
21. भाषा के उद्देश्य लिखें।
22. भाषा के प्रमुख कौशलों की परिभाषा लिखें।
23. श्रवण कौशल का अर्थ स्पष्ट करें।
24. वाचन कौशल का अर्थ स्पष्ट करें।
25. लेखन कौशल का अर्थ स्पष्ट करें।
26. पठन कौशल का अर्थ स्पष्ट करें।
27. लिपि का अर्थ स्पष्ट करें।
28. लिपि की उपयोगिता का वर्णन करें।
29. विषय के रूप में भाषा का आशय स्पष्ट करें।
30. संप्रेषण की अवधारणा लिखें।

## दीर्घ उतरीय प्रश्न

1. ''भाषा प्रतीकों की वाचिक व्यवस्था के रूप में'' की व्याख्या करें।
2. मानव भाषा एवं पशु–पक्षियों की भाषा का तुलनात्मक व्याख्या करें।
3. पशु–पक्षियों की भाषा एवं पेड़ पौधों की भाषा में अन्तर स्पष्ट करें।
4. भाषा की नियमबद्ध व्यवस्था का सोदाहरण व्याख्या करें।
5. ध्वनि प्रक्रिया को दर्शाते हुए परा, पश्यन्ती, मध्यमा एवं बैखरी का वर्णन करें।
6. भाषा के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का वर्णन करें।
7. भाषा के सामाजिक एंव सांस्कृतिक सन्दर्भो की विवेचना करें।
8. भाषा की प्रकृति बताते हुए आवश्यकता का वर्णन करें।
9. विद्यालय का बच्चों की भाषा पर पड़ने वालें प्रभावों का सोदाहरण व्याख्या करें।
10. भाषा और बोली में अन्तर स्पष्ट करें।
11. भाषा के संदर्भ में अनुच्छेद 345, 351 की व्याख्या करें।
12. आठवीं अनुसूची की संप्रसंग व्याख्या करें।
13. बहुभाषिक कक्ष का अर्थ स्पष्ट करते हुए आवश्यकताओं का वर्णन करें।
14. केस स्टडी का सोदाहरण व्याख्या करें।
15. स्किनर के सिद्धान्त की भाषा में उपयोगिता का वर्णन करें।
16. चॉमस्की के भाषासिद्धान्त का सप्रसंग व्याख्या करें।
17. वायगोत्सकी के भाषा सम्बन्धि विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता लिखें।
18. प्याजे के अनुसार बच्चे भाषा कैसे सीखते हैं।
19. कल्पनाशीलता एवं सृजनशीलता में अन्तर स्पष्ट करें।
20. अन्य विषयों के शिक्षण में भाषा की उपयोगिता लिखें।
21. भाषार्जन में परिवार की भूमिकाओं का व्याख्या करें।
22. भाषा विषय के रूप में एवं माध्यम के रूप में सोदाहरण व्याख्या करें।
23. भाषा एवं लिपि में संबन्धों का सोदाहरण वर्णन करें।
24. भाषा अर्जित करने एवं सीखने में अन्तर स्पष्ट करें।
25. बच्चों के भाषा सीखने में कौन कौन सी प्रक्रिया रूचिपूर्ण हो सकती है। सोदाहरण व्याख्या करें।

# Paper Code - F – 6
## विषय– शिक्षा में जेण्डर एवं समावेशी परिप्रेक्ष्य
## लघु उतरीय प्रश्न

1. मानसिक रूप से विचलित बालक पर टिप्पणी लिखिए।
2. शारीरिक रूप से भिन्न बालकों पर टिप्पणी लिखिए।
3. शैक्षिक रूप से भिन्न बालकों पर टिप्पणी लिखिए।
4. समावेशी शिक्षा पर टिप्पणी लिखें।
5. विशेष कक्षा योजना पर एक लघु निबन्ध प्रस्तुत करें।
6. विशेष विद्यालय पर टिप्पणी लिखें।
7. समावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में NCF - 2005 पर एक लघु निबन्ध लिखिए।
8. वाणी दोष ग्रसित बालक पर टिप्पणी लिखें।
9. अन्धे तथा बहरे बालक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
10. श्रवण बाधित बालकों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
11. दृष्टि बाधित बालकों के परीक्षण एवं निरीक्षण पर टिप्पणी लिखें।
12. बीमार बालकों की लक्षण कों स्पष्ट करें।
13. दिव्यांग बालकों की शिक्षा प्रणाली पर टिप्पणी लिखिए।
14. अधिगम अयोग्य बालकों के अध्ययन में होने वाली समस्या पर टिप्पणी लिखें।
15. अधिगम अयोग्य बालकों की उपचार हेतु प्रमुख विधियों पर टिप्पणी लिखिए।
16. समावेशी शिक्षा के व्यवधान के रोकथाम पर टिप्पणी लिखिए।
17. दिव्यांग बालक हेतु बनाये गये कार्यक्रम पर टिप्पणी लिखिए।
18. संवेगात्मक रूप से अशान्त बालकों के लिए कक्षाकक्ष नियंत्रण पर टिप्पणी प्रस्तुत करें।
19. अधिगम असमर्थ बालकों के लिए पाठ्यक्रम पर टिप्पणी लिखिए।
20. मानसिंक रूप से पिछडों बालकों पर टिप्पणी लिखिए।
21. विशिष्ट शिक्षा के लिए शिक्षकों के विशेष प्रशिक्षण पर टिप्पणी लिखिए।
22. मानसिंक रूप से पिछडे बालकों का वर्गीकरण कीजिए।
23. पुनर्वास योजना पर टिप्पणी लिखिए।
24. अधिगम अयोग्य बालकों पर टिप्पणी लिखें।
25. मानसिंक मन्दता के कारण पर टिप्पणी लिखें।
26. राष्ट्रीय दिव्यांग जन नीति 2006 पर टिप्पणी लिखें।
27. विभिन्न दिव्यांगों के लिए राष्ट्रीय संस्थान का नाम उल्लेख करें।
28. जेण्डर और सेक्स के बीच विभेद करें ।
29. भारतीय समाज में पितृ सत्तात्मकता पर टिप्पणी लिखिए।
30. बालिका विद्यालयीकरण की समस्यायें और समाधान पर टिप्पणी लिखिए।
31. लिंग संवेदनशीलता की महत्व पर टिप्पणी लिखें।
32. शिक्षा के सार्वभौमीकरण को स्पष्ट करें।

33. लिंगीय विभेद के कारण पर टिप्पणी लिखें।
34. लिंगीय विभेद के समाप्त करने के उपायों का संक्षिप्त वर्णन करें।
35. बालिकाओं के लिए बाह्य वातावरणीय सुरक्षा पर टिप्पणी लिखिए।

## दीर्घ उतरीय प्रश्न

1. समावेशी शिक्षा का अर्थ एवं आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए।
2. दिव्यांग बालक का वर्गीकरण हम किस प्रकार कर सकते हैं ? वर्णन करें।
3. समावेशी शिक्षा में बदलाव किस प्रकार से किया जा सकता है ? वर्णन करें।
4. समान्य बालक तथा विशिष्ट बालकों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
5. समावेशी शिक्षा की समस्याओं पर प्रकाश डालें।
6. शारीरिक न्यूनता से ग्रसित बालक कैसे होते हैं ? वर्णन करें।
7. श्रवण बाधित बालक कितने प्रकार की होते हैं तथा उसकी पहचान कैसे किया जा सकता है ? वर्णन करें।
8. दृष्टि अक्षम बालकों की प्रकार को स्पष्ट करें तथा उनके लिए शैक्षिक प्रावधान व्यवस्था का वर्णन कीजिए।
9. वाक् विकलांक बालकों पर एक निबन्ध प्रस्तुत करें।
10. अधिगम बाधित बालकों का वर्गीकरण किस प्रकार किया जा सकता है ? वर्णन करें।
11. शैक्षिक रूप से पिछड़ा बालक का पहचान किस प्रकार किया जा सकता है ? वर्णन करें।
12. विशिष्ट बालक हेतु समावेशी शिक्षा किस प्रकार प्रदान की जाती है ? वर्णन करें।
13. विशेष शिक्षा की आधुनिक दर्शन को स्पष्ट करें।
14. दिव्यांगो की आवश्यकता अनुरूप शिक्षा का स्वरूप का वर्णन करें।
15. भाषा विकलांगता अर्थ को स्पष्ट करते हुए परिभाषित करें।
16. विशेष आवश्यकता वाले बालकों के लिए समावेशी शिक्षा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर एक निबन्ध प्रस्तुत करें।
17. भारत में विशिष्ट शिक्षा की क्रम विकास को वर्णन करें।
18. विशिष्ट शिक्षा की आवश्यकता को स्पष्ट करें।
19. विशिष्ट बालकों की शिक्षा के लिए शिक्षक को प्रशिक्षण क्यों आवश्यकता है ?
20. बच्चों की समाजीकरण में परिवार एवं समुदाय की भूमिका को स्पष्ट करें।
21. जेण्डर तथा पाठ्क्रमी मुद्दे पर एक निबन्ध लिखिए।
22. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में लिंग संवेदनशीलता का वर्णन करें।
23. जेण्डर विभेद को दूर करने के लिए किन उपायों को अपनाया जा सकता है?
24. जेण्डर विभेद की प्रमुख कारण पर प्रकाश डालिए।

# Paper Code - F – 7

## विषय – गणित का शिक्षणशास्त्र – 1 (प्राथमिक स्तर)

## लघु उतरीय प्रश्न

1. गणित का अर्थ बताते हुए, इसकों परिभाषित कीजिए।
2. गणित का महत्व लिखिए।
3. गणित की प्रकृति लिखिए।
4. प्राथमिक स्तर पर गणित के उद्देश्य लिखिए।
5. खेल विधि के विभिन्न गुणों को लिखिए।
6. प्राथमिक स्तर पर गणित को रोचक बनाने की महत्वपूर्ण विधियाँ कौन–कौन सी है ?
7. गणित पाठ्यक्रम की आवश्यकता लिखिए।
8. गणित पाठ्यपुस्तक के महत्व बताइए।
9. प्राकृतिक संख्या तथा पूर्ण संख्या में अन्तर लिखिए।
10. संख्या पद्धति क्या है ?
11. संख्या रेखा किसे कहते हैं ?
12. स्थानीय मान किसे कहते हैं ?
13. मापन किसे कहते हैं ?
14. मूल्यांकन से आप समझते हैं ?
15. मापन तथा मूल्यांकन में किन्ही पाँच अन्तरों को लिखिए।
16. धन से क्या समझते हैं ?
17. घनाभ से किसे कहते हैं ?
18. क्षेत्रफल तथा आयतन मे अन्तर लिखिए।
19. अनुमान से आप क्या समझते हैं ?
20. मानक इकाई से क्या समझते हैं ?

## दीर्घ उतरीय प्रश्न

1. गणित से आप क्या समझते हैं ? इसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
2. दैनिक जीवन में गणित की आवश्यकता का वर्णन कीजिए।
3. गणित में भय, भ्रम तथा मिथक को उदाहरण द्वारा विस्तार से समझाइए।
4. गणितीयकरण से आप क्या समझते है ? सविस्तार वर्णन कीजिए।
5. गणित के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय पाठ्यक्रम में गणित का महत्व स्पष्ट कीजिए।
6. प्राथमिक स्तर पर गणित के उद्देश्यों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

7. गणित शिक्षण की प्रमुख विधियों का वर्णन कीजिए।
8. विद्यार्थियों के अनुभव का उपयोग सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में आप कैसे करेगें ? वर्णन करें।
9. गणित में संज्ञानात्मक विकास की अवधारणा का सविस्तार वर्णन कीजिए।
10. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के आलोक में प्राथमिक स्तर पर गणित के उद्देश्यों का वर्णन करें।
11. बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा – 2008 के आलोक में प्राथमिक स्तर पर गणित के उद्देश्यों का वर्णन करें।
12. बिहार के प्राथमिक स्तर के गणित का पाठ्यक्रम एवं पाठ्य–पुस्तकों की उपयोगिता बताइए।
13. गणित से संम्बन्धित पूर्व धारणाओं एवं भ्रान्तियों को स्पष्ट करें।
14. पूर्ण संख्याओं तथा संख्याओं को किस प्रकार समझा जाता है ?
15. संख्यापूर्ण अवधारणा क्या है ? यह बच्चों में कैसे विकसित किया जा सकता है ?
16. बच्चों में गिनती की अवधारणा स्पष्ट करने के लिए गतिविधि का वर्णन करें।
17. सम, विषम तथा अभाज्य संख्या के बारे में सविस्तार लिखिए।
18. अंकित मान तथा स्थानीय मान को समझाइए।
19. स्थानीय मान की अवधारणा को किस तरह सरल बनाया जा सकता है ? कुछ तरीके बताइए।
20. पूर्ववर्ती तथा परवर्ती संख्या से आप क्या समझते है ?
21. मापन के दौरान होने वाली गलतियों का सविस्तार वर्णन कीजिए।
22. किसी दी गई आकृति का क्षेत्रफल वर्ग गिनकर किस प्रकार ज्ञात किया जाता है ?
23. लम्बाई, भार, क्षेत्रफल, घनराशि की मानक इकाईयों की आवश्यकता के महत्व पर प्रकाश डालिए।
24. आप बच्चों को आयतन की समझ विकसित करते हुए सूत्रतक कैसे पहुचायेगें ?
25. ''जीवन के हर क्षेत्र में मापन की आवश्यकता है'', इस कथन से आप कहाँ तक सहमत है ? स्पष्ट करें।

# Paper Code F – 8
## विषय– हिन्दी का शिक्षणशास्त्र – 1 (प्राथमिक स्तर)
## लघु उतरीय प्रश्न

1. हिन्दी शिक्षण की प्रकृति लिखें।
2. हिन्दी शिक्षण की आवश्यकताओं को स्पष्ट करें।
3. हिन्दी शिक्षण के महत्व स्पष्ट करे।
4. हिन्दी शिक्षण के प्राथमिक स्तर के उद्देश्यों को लिखें।
5. हिन्दी शिक्षण के प्रमुख विधियों का नाम लिखे।
6. हिन्दी शिक्षण में क्षेत्रिय भाषा की उपयोगिता लिखें।
7. पाठ्यचर्या की अवधारणा लिखें।
8. पाठ्यक्रम की अवधारणा स्पष्ट करें।
9. प्रश्नों के प्रकारों का नाम लिखें।
10. सस्वर वाचन की परिभाषा लिखें।
11. मौन पठन की उपयोगिता स्पष्ट करें।
12. स्क्रिप्ट रीडिंग की अवधारणा स्पष्ट करें।
13. स्कैन रीडिंग की परिभाषा लिखें।
14. वर्ण विधि का आशय स्पष्ट करें।
15. शब्द विधि से आप क्या समझते है ? वर्णन करें।
16. वाक्य विधि का दो उदाहरण लिखे ?
17. चित्र–वर्णन से आप क्या समझते है ?
18. सारांश लेखन की परिभाषा लिखें।
19. हिन्दी शिक्षण के कौशलात्मक उद्देश्यों को लिखें।
20. हिन्दी शिक्षण में प्रयोगशाला विधि की उपयोगिता लिखें।
21. द्रुत पठन का आशय स्पष्ट करें।
22. गहन पठन का अर्थ स्पष्ट करें।
23. सुनने की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारकों का उल्लेख करें।
24. पठन कौशल की उपयोगिता का वर्णन करें।
25. कक्षा सम्प्रेषण में हिन्दी भाषा की भूमिका का वर्णन करें।
26. आदर्श वाचन की परिभाषा लिखें।
27. अनुवाचन के दौरान अध्यापक के कार्यो का उल्लेख करें।
28. कविता शिक्षण के प्रमुख विधियों का वर्णन करें।
29. संप्रेषण के प्रकारों को लिखें।
30. क्षेत्रिय भाषा एवं मातृभाषा में अन्तर लिखें।

# दीर्घ उतरीय प्रश्न

1. बच्चों की दुनिया में हिन्दी भाषा की आवश्यकता एवं महत्वों की व्याख्या करें।
2. NCF–2005 में हिन्दी भाषा के स्थान की व्याख्या करें।
3. BCF–2008 के आलोक में हिन्दी शिक्षण के उद्देश्यों की व्याख्या करें।
4. प्राथमिक स्तर की हिन्दी पाठ्यपुस्तकों में अभ्यास प्रश्नों की प्रकृति का वर्णन करें।
5. हिन्दी भाषा के विभिन्न पहलुओं का ऑकलन करने के तरीकों की व्याख्या करे।
6. पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम के उद्देश्यों की व्याख्या करें।
7. व्याकरण शिक्षण में आगन–निगमन विधि की उपयोगिता लिखें।
8. हिन्दी शिक्षण में भाषा प्रयोगशाला के उपयोगिता की व्याख्या करें।
9. सुनने व बोलने को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या करें।
10. पठन कौशल की चरण बद्ध प्रक्रिया का वर्णन करें।
11. लिपि पहचान कर पढ़ने एवं पढ़कर प्रतिक्रिया देने की प्रक्रिया का वर्णन करें।
12. पढ़ना सीखने – सिखाने की प्रक्रिया में बाल साहित्य की भूमिका का वर्णन करें।
13. पढ़ना सीखाने हेतु कौन–कौन सी गतितिधियों को किया जा सकता है ? सोदाहण व्याख्या करें।
14. कक्षा शिक्षण में कविताओं, कहानियों एवं बालगीतों के उपयोग से होने वाले लाभ एवं हानी की विवेचना करे।
15. अभिव्यक्ति क्षमता बढाने में अध्यापकों की भूमिका का वर्णन करें।
16. प्राथमिक स्तर की पाठ्यक्रम संरचना के सिद्धान्तों की व्याख्या करें।
17. द्रुतपठन एवं गहन पठन की तुलनात्मक विवेचना करें।
18. भाषा के प्रमुख कौशलों का वर्णन करते हुए उपयोगिता लिखें।
19. पठन एवं लेखन कौशलों की तुलनात्मक व्याख्या करें।
20. कक्षा शिक्षण में सूक्ष्म शिक्षण की उपयोगिता की व्याख्या करें।

# Paper Code - F – 9
# Subject- Proficiency In English
## Short answer type Questions

1. Show the important of English as an global language.
2. What is important of Teaching English in India?
3. Write the aims and purpose of teaching English.
4. What is the objective of Teaching English?
5. Describe the nature of English Language.
6. Write the characteristics of English Language.
7. Describe the audio - visual teaching aids.
8. Indicate the objectives of listening skill.
9. Describe the Functions of speaking.
10. Explain the difference between listening and speaking skills.
11. Write the causes of incorrect spelling.
12. Describe the types of reading.
13. Indicate the precautions of loud reading.
14. Indicate the precautions of silent reading.
15. Explain the intensive and extensive reading with examples.
16. Indicate the importance of teaching of writing.
17. What is vocabulary?
18. Discuss the words phrases or sentences that you use in your surrounding.
19. What is synonyms ? List some.
20. What is antonyms ?list some.
21. Define prefixes.
22. What is suffix? Discuss.
23. What is Grammar?
24. Write the merits of Grammar.
25. What is difference between listening and hearing ?Explain with example.
26. What should a teacher to do test the listing and speaking skills at different levels?
27. Who is a good reader? List some of the main features of a good reader.
28. Define stress and rhythm in your own words.
29. How English has become an associate official language in India? Write in the light of the constitution of India.
30. Define homophones with example.

# Long Answer Type Question

1. What are the aims and objectives of teaching English at different levels in India ?
2. Describe the main characteristics of English language and problems in teaching of English in India.
3. What is the position and status of English in global scenario ?
4. What is the present position of English teaching in Bihar schools ?
5. What is the importance of Teaching English in school curriculum ?
6. What is the place of the mother tongue in the teaching of English ?
7. Writhe brief history of English language in India ?
8. "India is a multilingual country". Explain it.
9. How skill of listening and speaking English can be developed ?
10. What are the two main kinds of English speech sounds ?
11. Describe the various methods of developing reading skill of English at Elementary level.
12. Discuss the ways of developing Writing skill.
13. What are the causes of Bad handwriting ? What methods can be adapted to improve handwriting ?
14. What are the aims of teaching spelling ? Discuss the devices you would adopt in teaching spelling.
15. Dictation is helpful in growing writing skills Explain.
16. Suggest ways you will adopt to improve the pronunciation of your learners.
17. What are the various ways and mean by which you can teach the meaning of difficult words ?
18. Define homophones. Give examples of some sets of homophones that you would like to teach your students ?
19. Define suffix with suitable examples. Make a list of words in nouns can be changed to adjective by using suffixes.
20. Discuss parts of speech. With example.
21. List of words used at home in school and in the market.
22. Explain the role and important of Grammar in language learning.
23. What is prescriptive approach ? Explain it.
24. Discuss the communicative approach for grammar teaching ? Explain it.
25. What do you understand by the Nation of correctness and nation of Appropriateness ? Explain it.

# Paper Code - F – 10

## विषय – पर्यावरण अध्ययन का शिक्षणशास्त्र

## लघु उतरीय प्रश्न

1. पर्यावरण अध्ययन की प्रकृति लिखिए।
2. पर्यावरण अध्ययन की क्षेत्र लिखिए।
3. प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण शिक्षण का उद्देश्य लिखिए।
4. पर्यावरण पर आपकी दृष्टिकोण क्या है ? संक्षेप में बताइए।
5. थीम प्रकरण के मित्र और आस पास के बारे मे संक्षेप में लिखें।
6. थीम प्रकरण आवास तथा जल के बारे में संक्षेप में बताए।
7. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2005 (NCF–2005) की रूपरेखा के संदर्भ मे पर्यावरण अध्ययन की संक्षेप में चर्चा करे।
8. बिहार पाठ्यचर्या 2008 (BCF–2008) की रूपरेखा के संदर्भ में पर्यावरण अध्ययन की संक्षेप में चर्चा करें।
9. स्थानीय परिवेश का बालक के विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है ?
10. परिवार का बालक के विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है।
11. बच्चों के सवालों का बहुत अधिक महत्व क्यों है ?
12. बच्चो के परिवेश संबंधी ज्ञान तथा अनुभव को जानने के क्या तरीके है ? किन्ही चार तरीकों को बताइए।
13. पर्यावरण संरक्षण के क्या उद्देश्य है ?
14. पर्यावरण संरक्षण में परिवार की क्या भूमिका है ?
15. अधिगम योजना के क्या उद्देश्य है ?
16. शिक्षण विधि का क्या अर्थ है ?
17. शिक्षण विधि के उद्देश्य लिखिए।
18. परियोजना विधि क्या है ?
19. खोज विधि किसे कहते है ?
20. प्रयोग प्रदर्शन विधि का लाभ–दोष लिखिए।
21. विचार विमर्श विधि किसे कहते है ?
22. पर्यावरण शिक्षा के प्रसार में शिक्षक की भूमिका को बताएं।
23. खेल विधि पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
24. मूल्यांकन की अवधारणा से क्या तात्पर्य है ?
25. एक अच्छे मूल्यांकन की क्या विशेषताए है ?

## दीर्घ उतरीय प्रश्न

1. पर्यावरण शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालें।
2. पर्यावरण अध्ययन से क्या अभिप्राय है ? पर्यावरण अध्ययन सम्प्रत्यय तथा इसके मुख्य घटकों पर प्रकाश डालें।
3. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा– 2005 पर टिप्पणी लिखिए।

4. थीम प्रकरण आधारित विषयवस्तु किस प्रकार विभिन्न अवधारणाओं को समझने में सहायक है। पाठ्य पुस्तक से उदाहरण देकर समझाइए।
5. बच्चों की अपनी समझ व व्याख्याएं होती है। सीखने सीखाने की प्रक्रिया में यह कैसे महत्वपूर्ण है ?
6. परिवेश का विविधता बच्चों को किस प्रकार सीखने में मद्द करती है ?
7. पर्यावरण संरक्षण को परिभाषित करें। पर्यावरणीय संरक्षण में विद्यालय की भूमिका पर चर्चा करें।
8. पर्यावरण शिक्षा के विकास हेतु किये जाने वाले प्रयास एवं शिक्षक की भूमिका पर प्रकाश डालें।
9. कक्षा क्रियाकलापों की आयोजना और संगठन किस प्रकार किया जाए ?
10. पर्यावरण अध्ययन शिक्षण अधिगम में कक्षागत व कक्षा से बाहर की जा सकने वाली विभिन्न शिक्षण अधिगम विधियों की चर्चा करें।
11. अन्वेषण तथा प्रोजेक्ट विधियों का वर्णन करें।
12. प्राथमिक स्तर पर परियोजन कार्य करते समय किन किन चरणों को ध्यान में रखना आवश्यक है जिससे शिक्षार्थी उसे आसानी से कर सके।
13. परिभ्रमण प्रविधि का पर्यावरण अध्ययन में क्या अर्थ तथा महत्व है ?
14. पर्यावरण शिक्षा में प्रयुक्त होने वाली शिक्षण विधियों पर प्रकाश डालें।
15. सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को जीवत बनाने में कक्षा–कक्ष प्रक्रिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। आप अपने अनुभव से बताईए कि पर्यावरण अध्ययन की अच्छी कक्षा किसे कहेगे ?
16. गतिविधि किसे कहते है ? कक्षा–कक्ष और कक्षा से बाहर की जानेवाली गतिविधियों में अन्तर बताइए।
17. पर्यावरणीय अध्ययन के अध्यापक के रूप में पाठ्यचर्या का आयोजन करने और आदान–प्रदान करने में अपनी भूमिका की चर्चा कीजिए।
18. आकलन की अवधारणा को एक उदाहरण के साथ स्पष्ट करें।
19. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन से आप क्या समझते है। इसकी क्या विशेषता है ?
20. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए।

    (a) क्षेत्र भ्रमण (b) सर्वेक्षण (c) परियोजना
21. पर्यावरण अध्ययन में आकलन मूल्यांकन हेतु व्यवहार का भी अवलोकन आवश्यक है कैसे ? उदाहरण देकर समझाइए।
22. पर्यावरण अध्ययन में मूल्यांकन क्या ? मूल्यांकन क्यों करते है ? मूल्यांकन किसका किया जाए।

# Paper Code - F – 11
# विषय – कला समेंकित शिक्षा
## लघु उतरीय प्रश्न

1. कला का क्या अर्थ है ?
2. कला से आप क्या समझते है ?
3. शिक्षा में कला का क्या महत्व है ?
4. नाटक क्या है ?
5. शिक्षा में रंगमंच की भूमिका पर प्रकाश डालें।
6. कला कितने प्रकार के होते है ? वर्णन करें।
7. दृश्य कला से आप क्या समझते है ?
8. दृश्य कला की उपयोगिता का वर्णन करें।
9. प्रदर्शन कला से आप क्या समझते है ?
10. प्रदर्शन कला की उपयोगिता का वर्णन करें।
11. कला शिक्षा की अवधारणा को स्पष्ट करे।
12. कला शिक्षण की आवश्यकता या महत्व का वर्णन करें।
13. कला समेकित शिक्षा से आप क्या समझते है ?
14. कला अनुभव क्या है ? इसके महत्व को बताए।
15. विद्यालय को बाल सुगम बनाने में कला शिक्षा की क्या क्या भूमिका है ?
16. बिहार के रंगमंच पर संक्षिप्त टिप्पणी करें।
17. लोक नृत्य से आप क्या समझते हैं ?
18. बिहार के प्रमुख लोकनृत्य को बताइए।
19. पुतली कला से आप क्या समझते हैं ?
20. विद्यालय में कला समेकित शिक्षा की उपयोगिता बताइए।
21. संगीत मे अपार क्षमताएँ होती है। सिद्ध कीजिए।
22. प्रारम्भिक कक्षा शिक्षण में कला के उपयोग के लिए आप क्या करेगें।
23. बच्चों के सृजनात्मक विकास में नाटक किस प्रकार की भूमिका निभाता है इस पर अपने विचार लिखिए।
24. पोर्टफोलियों से क्या समझते है।
25. मूल्यांकन रिर्पोट से क्या तात्पर्य हैं।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. कला शिक्षा से आप क्या समझते है ? प्राथमिक स्तर पर कला शिक्षा क्यों महत्वपूर्ण है ? इसकी विभिन्न विधियों का उल्लेख करें।
2. बाल कला की विभिन्न विकासात्मक अवस्थाओं का वर्णन करें।
3. प्रदर्शन कला का अर्थ स्पष्ट करते हुए विद्यालयी शिक्षा के माध्यमिक स्तर के लिए प्रदर्शन कला के उद्देश्य एवं महत्व स्पष्ट करें।

4. लोक नृत्य से आपका क्या अभिप्राय है ? बिहार के प्रमुख लोक नृत्य को बताइए।
5. कला शिक्षा के अन्तगर्त कला में शिक्षा और शिक्षा में कला के तात्पर्य को सोदाहरण समझाइए।
6. कला शिक्षा की अवधारणा प्रकृति व क्षेत्र का वर्णन करें।
7. कला समेकित शिक्षा क्या है ? इसकी उपयोगिता क्या होना चाहिए।
8. आप स्वयं कला को अपने शिक्षण के साथ जोड़ पाने में कितना सक्षम है।
9. बच्चों में संज्ञानात्मक विकास में कला समेकिता शिक्षा की उपयोगिता या भूमिका बताए।
10. दृश्य कला से आप क्या समझते है ? कला शिक्षा के छात्रों को आप दृश्य की अवधारणा कैसे स्पष्ट करें।
11. कला शिक्षा में दृश्य कला का क्या महत्व है ? एक शिक्षक के रूप में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में इसकी क्या उपयोगिता है।
12. मुखौटे बनाने के तरीके का वर्णन कीजिए।
13. संगीत से आप क्या समझते हैं ? इसके उत्पति एवं प्रकारों का स्पष्ट करें।
14. रंगमंच से बच्चों मे किन कौशलों का विकास होता हैं।
15. विद्यालयों के द्वारा बच्चों में किस प्रकार की कौशलों का निर्माण हो सकता है ? चर्चा करें।
16. सीखने की योजना एवं कला समेंकित शिक्षा के प्रमुख बिन्दु एवं चुनौतियों का वर्णन करे।
17. मूल्यांकन क्या है ? कला शिक्षा में मूल्यांकन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
18. कला शिक्षण में मूल्यांकन क्यों किया जाना चाहिए स्पष्ट करे।
19. कला शिक्षा में मूल्यांकन के विभिन्न उपागमों एवं तकनीकों का वर्णन करें।
20. कला में संकेतक आधारित मूल्यांकन से आपका क्या अभिप्राय है ? दृश्यकला एवं प्रदर्शन कला में मूल्यांकन के लिए संकेतकों के उपयोग को समझाइए।
21. प्राथमिक स्तर की कक्षा के पाठ्यपुस्तकों पर आधारित सीखने की योजना का निर्माण करे।
22. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें।

(क) मिथिला पेंटिग (ख) ब्लॉक पेंटिग (ग) प्राकुतिक छपाई
(घ) कोलाज बनाना (ड़) मार्बल पेंटिग (च) अंगुलिया छापना
(छ) कम्प्यूटर आर्ट (ज) मंचीय नाटक

# Paper Code - F – 12
# विषय – शिक्षा में सूचना और संचार तकनीकी
# लघु उतरीय प्रश्न

1. सूचना की अवधारणा को स्पष्ट करे।
2. तकनीकी के अर्थ को स्पष्ट करते हुए परिभाषित कीजिए।
3. डिजिटल लर्निंग क्या है ?
4. वर्तमान में एक शिक्षक के लिए आई0सी0टी0 की जानकारी क्यों आवश्यक है ?
5. तकनीकी के विभिन्न अवयवों पर प्रकाश डालें।
6. समावेशी शिक्षा को परिभाषित कीजिए।
7. शिक्षा में मल्टीमिडिया साधनों की व्याख्या कीजिए।
8. मोबाइल की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।
9. मोबाइल ऐप्स से आप क्या समझते हैं ?
10. कम्प्यूटर को परिभाषित कीजिए।
11. कम्प्यूटर स्मृति क्या है ? यह कितने प्रकार की होती हैं।
12. विडियो शिक्षा में शिक्षण हेतु कैसे प्रभावी है।
13. आफिस आटोमेशन साफ्टवेयर क्या है ?
14. स्लाइड को परिभाषित करते हुए यह बतायें कि यह कैसे कार्य करता है।
15. बायोडाटा बनाते समय कौन कौन सी सूचनाएँ दी जाती हैं।
16. लेटर ड्राफ्टिंग क्या है ?
17. स्मार्ट बोड की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
18. इंटरनेट क्या है ?
19. सर्च इंजन का प्रयोग कैसे करते है ?
20. ई–मेल क्या है ? इसका प्रयोग हम किन किन कार्यो मे करते है।
21. एक नया ई–मेल कैसे बनाते है ?
22. ई–लनिंग क्या है ? इसका लाभ एक प्रशिक्षु कैसे ले सकता है ?
23. गुगल ड्राइव क्या है ?
24. मूल्यांकन कितने प्रकार का होता हे एक शिक्षक छात्र के किन–किन प्रश्नों का मूल्यांकन करता है ?
25. आई0 सी0 टी0 की उपयोगिता का वर्णन करें।
26. पर्यावरण अध्ययन में आई0सी0टी0 संसाधन का प्रयोग कैसे करेगें ?
27. पावर प्वाईट क्या है ?इसकी विशेषता बताए।
28. ई–मेल के माध्यम से सूचना कैसे भेजते है।
29. विभिन्न सोशल नेटवर्किंग साइड का नाम बताइए।

# दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. सूचना एवं सचार तकनीकी की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी के महत्व को स्पष्ट करें।
2. सूचना एवं संचार तकनीकी के विभिन्न अवयवों का विस्तार पूर्वक वर्णन किजिए।
3. समावेशी शिक्षा से आप क्या समझते है ? समावेशी शिक्षा में सूचना एवं संचार तकनीकी का क्या महत्व है।
4. सूचना के अर्थ को स्पष्ट कीजिए। सूचना और ज्ञान में क्या अन्तर है। विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।
5. वर्तमान समय में सूचना एवं संचार तकनीकी की उपयोगिता का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।
6. शिक्षण अधिगम के साधन के रूप में सूचना एवं संचार तकनीकी की भूमिका का वर्णन कीजिए।
7. कम्प्यूटर से आप क्या समझते हैं ? इसके विकास क्रम का संक्षिप्त में वर्णन करें।
8. कम्प्यूटर के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करते हुए उसके घटकों पर प्रकाश डालें।
9. साफ्टवेयर क्या है ? साफ्टवेयर के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
10. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में कम्प्यूटर एवं मोबाइल की भूमिका का विस्तार से व्याख्या कीजिए।
11. वर्ड प्रोसेसर क्या है ? इसके कार्य एवं शिक्षा में योगदान का वर्णन कीजिए।
12. प्रजेन्टेशन साफ्टवेयर क्या है ? इसका प्रयोग करके एक शिक्षक कैसे शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बना सकता है ?
13. स्प्रेड शीट क्या है ? इसके उपयोगिता एवं महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालें।
14. आफिस आटोमेशन क्या है ? शिक्षा में इसका प्रयोग कैसे करेगें ?
15. इंटरनेट से आप क्या समझते है ? शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के संदर्भ में इसकी उपयोगिता का वर्णन करें।
16. सोशल नेटवर्किंग की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। शिक्षा में इसकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए।
17. ब्राउजर से आप क्या समझते है। शिक्षा में इसकी उपयोगिता को समझाइए।
18. ई लर्निंग एवं ओपेन लर्निंग का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।
19. ओपेन एजुकेशन रिसोर्सेजर (ओ0 ई0 आर0) क्या है ? इसे कहाँ से प्राप्त किया जाता है।
20. शिक्षण अधिगम में ओपेन एजुकेशन रिसोर्सेज की उपयेागिता का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।
21. सीखने की योजना क्या है ? प्राथमिक स्तर पर किसी भी विषय पर सीखने की योजना का निर्माण करें।
22. गणित भाषा एवं पर्यावरण शिक्षण में आई0 सी0टी0 के संसाधनो का प्रयोग कैसे करेगें।
23. मूल्यांकन क्या है ? मूल्यांकन में आई0 सी0 टी0 की उपयोगिता का वर्णन करें।
24. मूल्यांकन प्रक्रिया में एक शिक्षक कैसे आई0 सी0 टी0 का प्रयोग करता है ? वर्णन करें।
25. आकड़ा क्या है ? इसकों व्यवस्थित ढंग से उपयोग में आई0 सी0 टी0 कैसे अपनी भूमिका निभाती है।

# D.El.Ed.

# 2nd Year

# Paper Code – S-1
## विषय–समकालीन भारतीय समाज में शिक्षा
## लघु उत्तरीय प्रश्न

1. विविधता से आप क्या समझते हैं ?
2. असामानता क्या है ?
3. वंचना की अवधारण को स्पष्ट करें।
4. विविधता एवं असामानता में क्या अंतर है ?
5. वंचित बच्चों की शिक्षा में सुधार के लिए आप क्या कर सकते हैं ?
6. सामाजिक समानता क्या है ?
7. सत्ता का अर्थ एवं विशेषताओं को लिखें ?
8. भारतीय शिक्षा में असमानता को स्पष्ट करें।
9. समाज एवं शिक्षा में संबंध स्पष्ट करें।
10. भारतीय संविधान में शिक्षा के लिए विभिन्न प्रावधानों को स्पष्ट करें।
11. आधुनिकीकरण क्या है ?
12. समाजिक परिवर्तन में शिक्षा के महत्व को स्पष्ट करें।
13. अभिवंचित एवं उपेक्षित वर्ग के लिए शिक्षा व्यवस्था में क्या बदलाव कर सकते हैं ?
14. शिक्षा में निजीकरण क्या है ?
15. शिक्षा में बदलाव के लिए आप क्या कर सकते हैं ?
16. समान विद्यालय व्यवस्था क्या है ?
17. लोकतंत्र की सफलता के लिए शिक्षा के महत्व को स्पष्ट करें।
18. आधुनिक शिक्षा में राज्य सरकार के योगदान को स्पष्ट करें।
19. शिक्षा में सार्वभौमीकीकरण क्या है ?
20. शिक्षा का अधिकार अधिनियम क्या है ?
21. आर्थिक सुधारों में शिक्षा के महत्वों को स्पष्ट करें।
22. शिक्षा और भाषा में क्या संबंध है ?
23. वर्तमान विद्यालयी पाठ्यचर्या में आप क्या सुधार कर सकते हैं ?
24. वर्तमान समय में मूल्यांकन व्यवस्था के विभिन्न दोषों को स्पष्ट करें।
25. शिक्षा के द्वारा ही वैश्विक परिवर्तन हो सकता हैं। इस कथन को स्पष्ट करें?
26. बाल केन्द्रित शिक्षा की विशेषताओं को स्पष्ट करें।
27. राष्ट्रीय एकीकरण क्या है ? स्पष्ट करें।
28. बुनियादी शिक्षा की विशेषताओं को स्पष्ट करें।
29. बिहार में ग्रामीण शिक्षा की समस्याओं को कैसे दूर किया जा सकता है ?
30. पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या के अंतर को स्पष्ट करें।

# दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. विविधता एवं असामानता के विभिन्न रूपों को स्पष्ट करें।
2. वंचित बालकों की शिक्षा के लिए संविधान में क्या प्रावधान है ? स्पष्ट करें।
3. सामाजिक न्याय के लिए शिक्षा क्यों आवश्यक है ?
4. आधुनिकीकरण क्या है ? स्पष्ट करें।
5. वैश्विकरण एवं सामाजिक परिवर्तन में क्या संबंध है ? वर्णन कीजिए।
6. शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए विभिन्न परिवर्तनों का वर्णन करें।
7. शिक्षा में निजीकरण का आलोचनात्मक व्याख्या करें।
8. अभिवंचित एवं उपेक्षित वर्गों के लिए किस प्रकार की शिक्षा व्यवस्था होनी चाहिए ? इनके संवैधानिक प्रावधानों का भी व्याख्या करें।
9. लोकतंत्र को सफल बनाने में शिक्षा के योगदान का उल्लेख करें। क्या भारतीय लोकतंत्र सफल लोकतंत्र है ? स्पष्ट करें।
10. राष्ट्रीय विकास में शिक्षा के योगदान को स्पष्ट करें।
11. सामाजिक परिवर्तन में विद्यालय के महत्व को स्पष्ट करें।
12. शिक्षा, विद्यालय एवं समाज के संबंधों को स्पष्ट करें।
13. शिक्षा व्यवस्था में आप किस तरह का परिवर्तन करना चाहते हैं ? स्पष्ट करें।
14. भारत में आधुनिकीकरण के मार्ग में कौन–कौन सी बाधाएं है ? वर्णन करें
15. बिहार में विद्यालयों की शिक्षा में गुणवत्ता लाने के लिए विभिन्न प्रयासों का उल्लेख करें।
16. शिक्षा के सार्वभौमीकीकरण की ऐतिहासिक पृष्टभूमि का वर्णन करें।
17. निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का वर्णन करें।
18. भारत में राष्ट्रीय एकता की समस्याओं का उल्लेख करें, एवं इन समस्या को दूर करने में शिक्षा का क्या योगदान हो सकता है ?
19. विभिन्न शिक्षा आयोगों का प्रभाव विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था पर पडा है ? स्पष्ट करें।
20. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विशेषताओं को स्पष्ट करें।
21. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन क्या है ? इससे होने वाले लाभ को स्पष्ट करें।
22. वर्तमान समय में मूल्यांकन प्रक्रिया के गुण–दोषों की व्याख्या करें।
23. एक आदर्श शिक्षक के गुणों का वर्णन करें।
24. क्या बिहार के विद्यालयों के लिए अलग पाठ्यक्रम की आवश्यकता है ? स्पष्ट कीजिए।
25. NCF-2005 एवं BCF-2008 की विशेषताओं का वर्णन करें।

# Paper Code –S-2
# विषय–संज्ञान, सीखना और बाल विकास
# लघु उत्तरीय प्रश्न

1. जीन पियाजे की संज्ञानात्मक विकास की अवस्थाएँ बतायें। किसी एक अवस्था की उदाहरण सहित वर्णन करें।
2. संज्ञानात्मक विकास की जानकारी एक शिक्षक के लिए क्यों आवश्यक है ? तर्क प्रस्तुत करें।
3. संप्रत्यय विकास में ब्रुनर मॉडल की संक्षिप्त व्याख्या करें।
4. पूर्व संक्रियात्मक अवस्था को स्पष्ट करें।
5. संज्ञानात्मकता की अवधारणा को स्पष्ट करें।
6. जीन पियाजे के संज्ञानात्मक सिद्धांत की कमियों का उल्लेख करें।
7. सीखने की अवधारण को स्पष्ट करें।
8. सीखने में परिपक्वता का क्या संबंध है ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें।
9. आकलन के बिना सीखने की गति प्रदान नहीं की जा सकती। स्पष्ट करें।
10. एक शिक्षक को बाल विकास की समझ क्यों आवश्यक है?
11. वृद्धि एवं विकास के अंतर को स्पष्ट करें।
12. अधिगम निर्योग्यता की अवधारणा को स्पष्ट करें।
13. पावलव के अनुक्रिया अनुबंध सिद्धांत के शैक्षिक निहितार्थों की चर्चा करें।
14. बच्चों के विकास में संचार माध्यमों का क्या योगदान है ? टिप्पणी करें।
15. सूचना प्रसंस्करण मॉडल के अनुसार सीखने की प्रक्रिया में स्मृति की भूमिका एवं उसके शैक्षिक निहितार्थ की चर्चा करें।
16. सक्रिय होकर सीखने से क्या आशय है ? संक्षिप्त व्याख्या करें।
17. स्किनर के सक्रिय अनुबंधन अथवा क्रिया प्रसूत अनुबंध के शैक्षिक महत्व को स्पष्ट करें।
18. सूचना प्रसंस्करण मॉडल के अनुसार सीखने की प्रक्रिया का वर्णन करें।
19. क्या सीखना और सामाजिक परिवेश एक दूसरे से अंतर्संबंधित हैं ? कैसे ?
20. समाजिक कार्य–कारण की समझ के विकास में सामाजिक–सांस्कृतिक तत्वों की भूमिका का विश्लेशण करें।
21. क्या सीखना और सामाजिक परिवेश एक दूसरे से अंतर्संबंधित है ? कैसे ?
22. सीखने में समीपस्थ विकास के क्षेत्र की क्या भूमिका होती है ? उदाहरण देकर स्पष्ट करें।
23. समाजिक सांस्कृतिक विविधता तथा समस्याओं को कक्षायी विमर्श में शामिल करने की शिक्षक की भूमिका को स्पष्ट करें।
24. सीखने और समाज के अंर्तसम्बंधों को स्पष्ट करें।
25. स्मृति की अवधारण को स्पष्ट करें।
26. स्मृति के प्रमुख प्रकारों की चर्चा करें।
27. स्मृति सीखने में किस प्रकार सहायक है ? स्पष्ट करें
28. अभिप्रेरणा से आप क्या समझते हैं ?
29. बालकों के अवधान केन्द्रित करने के उपायों का वर्णन करें।
30. सीखने में अभिप्रेरणा की भूमिका की व्याख्या करें।

# दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. पियाजे के संज्ञानात्मक सिद्धांत के शैक्षिक निहितार्थ क्या है ? स्पष्ट करे।
2. क्या बुद्धि का मापन किया जा सकता है ? अपने जवाब के पक्ष में तर्क दें।
3. बुद्धि से आप क्या समझते हैं ? इसकी विशेषताओं का वर्णन करें।
4. समकालीन संदर्भ में बुद्धि की सैद्धांतिक समझ को स्पष्ट करें।
5. ब्रुनर के संज्ञानात्मक अधिगम सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।
6. बुद्धि के प्रमुख प्रकारों का वर्णन करें।
7. बाल विकास एक जटिल प्रक्रिया है ? इसे उपयुक्त उदाहरण के साथ समझाइये।
8. बाल विकास में परिवार की क्या भूमिका है ? उपयुक्त उदाहरण के साथ स्पष्ट करें।
9. सीखना विकास की प्रक्रिया है। क्या आप इससे सहमत हैं ? यदि हाँ, तो इसकी व्याख्या करें।
10. अधिगम हेतु आकलन की मुख्य विशेषताओं का वर्णन करें।
11. सीखने में व्यक्तिगत भिन्नता होना स्वाभाविक है। इस संदर्भ में सीखने की योग्यता एवं निर्योग्यता को स्पष्ट करें।
12. व्यवहारवादी अधिगम सिद्धांत की व्याख्या करें।
13. पावलव के अनुक्रिया अनुबंध सिद्धांत की व्याख्या करें।
14. स्किनर के सक्रिय अनुबंध सिद्धांत को स्पष्ट करें।
15. पावलव के अनुक्रिया अनुबंध एवं स्किनर के सक्रिय अनुबंध के बीच विभिन्नताओं को स्पष्ट करें।
16. व्यवहारवादी दृष्टिकोण से सीखने की अवधारणा का उल्लेख करें।
17. बच्चों का सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ उनके सीखने व संज्ञान को प्रभावित करता है। वायगोत्सकी के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या करें।
18. अलबर्ट बैन्डूरा के सामाजिक अधिगम सिद्धांत का संक्षेप में वर्णन करें।
19. वायगोत्सकी के सिद्धांत के अनुसार बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में उनके सामाजिक अधिगम और भाषा की क्या भूमिका होती है ? स्पष्ट करें।
20. वायगोत्सकी की सामाजिक सांस्कृतिक सिद्धांत की व्याख्या करें।
21. सीखने में न्यूरोदैहिक आधार के अंतर्गत मस्तिष्क की संरचना एवं सीखने में इसकी भूमिका को रेखांकित करें।
22. स्मृति को प्रभावशाली बनाने वाले प्रमुख उपायों का वर्णन करें।
23. अवधान के स्वरूप का वर्णन करते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करें।
24. सीखने को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन करें।
25. एक शिक्षक/शिक्षिका के लिए सीखने के न्यूरोदैहिक आधार को समझना क्यों जरूरी है ? स्पष्ट करें।

# Paper Code –S-3

## विषय–कार्य और शिक्षा

1. कार्य और शिक्षा क्या है ?
2. कार्य का शिक्षा में क्या महत्व है ?
3. कार्य के द्वारा शिक्षा को कैसे बढ़ावा दे सकते हैं ?
4. पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए हमें वृक्षारोपण किस प्रकार करना चाहिए, निम्न गतिविधियों को प्रसारित करें।
5. मिट्टी के बर्तन कैसे तैयार किये जाते हैं, एवं इसका महत्व क्या है ? निम्न गतिविधियों को प्रसारित करें।
6. विद्युत संप्रेषण क्या है ? इसकी उपयोगिता कैसे होती है। प्रोजेक्ट विधि तैयार करें।
7. लघु उद्योग और पशुपालन उद्योग किस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों को प्रभावित करता है। किसी ग्रामीण क्षेत्र में प्रशिक्षुओं द्वारा गतिविधि करवायें।
8. महाविद्यालय के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कोई एक सामाजिक गतिविधि करवाये जिसे ग्रामीणवासियों या पास–पड़ोस को आपके महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं से प्रेरणा प्राप्त करें।

# Paper Code – S-4
# विषय–स्वयं की समझ
## लघु उत्तरीय प्रश्न

1. "इगो" की व्याख्या कीजिए।
2. "आत्म सम्मान" का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
3. अस्मिता का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
4. शिक्षक के कमजोर पक्षों का प्रोफाइल कैसे तैयार करेगें ?
5. शिक्षक के उत्तरदायित्व को सुनिश्चित करने के प्रमुख बिन्दुओं का उल्लेख करें।
6. शिक्षक के रूप में विभिन्न चुनौतियों को बताएं।
7. विद्यार्थी के विशिष्टता की पहचान कैसे करेंगे ?
8. दैनिक उत्तरदायित्व क्या है ? शिक्षक के रूप में इसका निर्वहन कैसे करेंगे ?
9. संस्कृति क्या है ?
10. शिक्षक के प्रति सामाजिक अपेक्षाएँ क्या है ?
11. एक आदर्श शिक्षक के गुणों को लिखें।
12. एक शिक्षक के रूप में अपनी विशिष्टता की पहचान कैसे करेंगे ?
13. किसी सहकर्मी के प्रति धारणा कैसे विकसित होती है ?
14. चिन्तन क्या है ? स्वयं को समझने में इसकी क्या भूमिका है ?
15. अस्मिता के विभिन्न पहलुओं की व्याख्या करें।
16. केस–स्टडी को परिभाषित करें।
17. डायरी का विश्लेषण कैसे किया जाता है ? यह स्वयं को पहचानने में कैसे मदद करेगी।
18. व्यक्तित्व क्या है ? इसका निर्धारण कैसे होता है ?
19. एक आदर्श शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका कैसे सुनिश्चित करेंगें।
20. लक्ष्य को परिभाषित कीजिए ।
21. दस प्रेरणादायी कहानियों का नाम लिखिए।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. "मैं कौन हूँ," व्यक्तित्व को समझने में इसकी अवधारणा स्पष्ट कीजिए।
2. सेल्फ प्रोट्रेंट क्या है ? इसको कैसे लिखा जाता है ? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।
3. आत्म अभिव्यक्ति की अवधारणा का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

4. शिक्षक/शिक्षिका के तौर पर अपने मजबूत एवं कमजोर पक्षों का प्रोफाइल का निर्माण कैसे करेंगे, तथा उसमें सुधार किन–किन उपायों से करेंगे।
5. स्वाभिमान, आत्मविश्वास तथा आत्म अभिप्रेरणा को परिभाषित करते हुए इसकी विशेषताओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
6. सेल्फ बनाम इगो की अवधारणा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
7. अस्मिता से आप क्या समझते हैं ? समाज में एक शिक्षक की अस्मिता को बनाये रखने के उपायों का वर्णन करें।
8. आदर्श शिक्षक की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए एवं आदर्श शिक्षक के गुणों की विवेचना कीजिए।
9. बदलते परिप्रेक्ष्य में एक शिक्षक अपनी अस्मिता को कैसे बनाये रख सकता है, वर्णन करें।
10. आदर्श शिक्षक के व्यवहारिक पक्षों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
11. डायरी लेखन क्या है ? स्वयं को समझने में इसका कैसे प्रयोग किया जा सकता है।
12. धारण क्या है ? स्वयं के बारे में, सहकर्मी, विद्यार्थी के बारे में कैसे विकसित होती है।
13. अपनी खूबी को कैसे पहचानें ? तथा इसका शिक्षण में प्रयोग के तरीकों का वर्णन करें।
14. प्रेरणादायी कहानियों, फिल्मों, चर्चाओं का स्वयं को समझने में क्या योगदान है। विवेचना करें।
15. जीवन लक्ष्य क्या है ? जीवन लक्ष्य विकसित करने वाले कारकों की व्याख्या करें।

# Paper Code – S-5
## विषय–विद्यालय में स्वास्थ्य, योग एवं शारीरिक शिक्षा
## लघु उत्तरीय प्रश्न

1. शारीरिक शिक्षा की अवधारणा का वर्णन करें।
2. शारीरिक शिक्षा के महत्व को संक्षिप्त में वर्णन करें।
3. शारीरिक शिक्षा की परिभाषित करें।
4. शारीरिक शिक्षा के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।
5. शिक्षा व शारीरिक शिक्षा के संबंध को स्पष्ट कीजिए।
6. शारीरिक स्वास्थ्य क्या है ? स्पष्ट कीजिए।
7. "अनुभव करके सीखने" जैसे खेल का आयोजन के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।
8. कक्षा के अंदर खेले जाने वाले किसी एक खेल का वर्णन करें।
9. रोजाना खेले जाने वाले किसी एक खेल का वर्णन करें।
10. फस्ट एड सामग्री के नाम एवं उपयोग के समझ का वर्णन करें।
11. प्रमुख राज्यस्तरीय खेल आयोजन की समझ को स्पष्ट करें।
12. योग की अवधारणा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
13. बुनियादी आसनों की समझ की व्याख्या कीजिए।
14. प्रारंभिक विद्यालय में योग क्रिया आयोजन से लाभ को स्पष्ट कीजिए।
15. सूर्य नमस्कार योग क्रिया के चरणों को स्पष्ट कीजिए।
16. व्यवहार परिवर्तन मॉडल की संक्षिप्त में वर्णन करें।
17. विद्यालय में स्वास्थ्य शिक्षा से जुडे. मुद्दों की पहचान कर किसी एक मुद्दों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
18. संक्रामक रोग की पहचान की समझ की व्याख्या करें।
19. संक्रामक रोग की रोकथाम की जानकारी का वर्णन करें।
20. स्वास्थ्य शिक्षा की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
21. प्रारंभिक स्तर के विभिन्न विशयों से स्वास्थ्य शिक्षा के उदाहरणों की समझ की व्याख्या कीजिए।
22. विद्याालय का भौतिक वातावरण जैसे–जलश्रोत के प्रबंधन की समझ की व्याख्या कीजिए।
23. विद्यालय का भौतिक, वातावरण स्वच्छ बनाये रखने हेतु– कचरा निपटान प्रबंधन की समझ की व्याख्या करें।
24. विद्यालय में स्वच्छता तथा साफ–सफाई हेतु मानक सुनिश्चित करें।
25. विद्यालय में स्वच्छता तथा साफ–सफाई हेतु केस स्टडी से जुड़ें, जैसे– नहाने धोने, नाखून काटने, साफ कपडे. पहनने हेतु समझ।
26. विद्यालय में स्वच्छता तथा साफ–सफाई हेतु शिक्षक एवं छात्र की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
27. विद्यालय में मिड डे मिल का आधार मूल समझ जैसे– सामग्री का रखरखाव एवं विवरण हेतु प्रकियाओं की व्याख्या कीजिए।
28. मिड–डे मिल से संबंधित नावाचार प्रयोग की समझ की व्याख्या कीजिए।
29. हेल्थ कार्ड तथा डिवर्मिग पुस्तिका के उपयोग की समझ की व्याख्या कीजिए।
30. विद्यालय के शिक्षकों एवं बच्चों द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन हेतु समझ की व्याख्या कीजिए।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. शारीरिक शिक्षा की अवधारणा तथा महत्व की व्याख्या कीजिए।
2. शिक्षा एवं स्वास्थ्य शिक्षा की अवधारणा एवं उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।
3. शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य शिक्षा के संबंधों को स्पष्ट कीजिए।
4. भावनात्मक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य तथा संज्ञान के अंर्तसंबंधों की समझ का विस्तार पूर्वक वर्णन करें।
5. गतिविधियों के दौरान बच्चों का प्रेक्षण एवं मार्गदर्शन को समझाएँ ?
6. खेल–कूद के बुनियादी आधार को स्पष्ट कीजिए।
7. प्राथमिक विद्यालय के विभिन्न खेल–कूद तथा उनका आयोजन होने वाले स्थानीय रोचक खेल का विस्तार पूर्वक वर्णन करें।
8. एथलेटिक्स, कबड्डी, खो–खो, बॉलीबाल, कैरम, में से किसी एक खेल का नियम व मैदान मार्किंग सहित वर्णन करें।
9. आउटडोर एवं इनडोर खेलों के आयोजन की बुनियादी समझ की व्याख्या कीजिए।
10. प्रारंभिक विद्यालय की समयसारणी में खेल–कूद का स्थान तथा इसका प्रभावी उपयोग को स्पष्ट कीजिए।
11. चोट एवं जख्म से बचाव तथा प्राथमिक उपचार की समझ की व्याख्या करें।
12. प्रमुख राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय खेल आयोजन से परिचय अथवा समझ की व्याख्या कीजिए।
13. योग की अवधारणा तथा महत्व को स्पष्ट कीजिए।
14. प्राथमिक विद्यालय में योग क्रिया का आयोजन के उद्देश्य तथा लाभ को स्पष्ट कीजिए।
15. प्राणायाम और बुनियादी आसनों की समझ का व्याख्या कीजिए।
16. स्वास्थ्य शिक्षा की अवधारणा एवं आलोचनात्मक समझ की व्याख्या कीजिए।
17. स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से व्यवहार में परिवर्तन एवं स्वास्थ्य संचार का वर्णन करें।
18. विद्याालय में स्वास्थ्य से जुडे. मुद्दों की पहचान कीजिए।
19. संक्रामक रोगों की समझ तथा उनके रोकथाम की जानकारी की व्याख्या कीजिए।
20. पोषण तथा संतुलित आहार की समझ (प्राथमिक स्तर पर) पर निबंध लिखें।
21. विद्यालय का भौतिक वातावरण जैसे– शौचालय, जलश्रोत, कचरे का निपटान प्रबंधन की समझ का वर्णन करें।
22. व्यक्तिगत स्वच्छता तथा साफ–सफाई, केस स्टडी से जुडी चर्चाओं की समझ की व्याख्या कीजिए।
23. हेल्थ कार्ड तथा डिवर्मिग पुस्तिका के उपयोग की समझ की व्याख्या कीजिए।
24. विद्यालय के शिक्षकों एवं बच्चों द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन की समझ का वर्णन करें।

# Paper Code – S - 6
# Subject - Pedagogy of English
## Short answer type questions

1. What are the main principles of second language learning ?
2. What are the five stages of second language acquisition ?
3. What are theoretical language acquisition principles ?
4. What is the aim of NCF 2005 ?
5. What is pre- listening?
6. Explain the receiving stage of listening ?
7. Short note the understanding stage of listening.
8. What is the difference between tools and techniques ?
9. What is the remembering stage of listening ?
10. What is the Present position of English teaching in Bihar schools ?
11. What is the meaning of whole language approach ?
12. What are the factors affecting second language learning ?
13. Discuss in short cognitive style.
14. What is the age of acquisition?
15. Write aims and purpose of teaching of English at different leaves ?
16. Explain the difference between listening and speaking skills.
17. Discuss methods of teaching writing.
18. Describe the types of reading.
19. Indicate the precautions of loud reading.
20. Indicate the precautions in silent reading.
21. Indicate the importance of teaching of writing.
22. In the context of Bihar, What are the major challenges of learning English language ?
23. What is difference between listening and speaking skill ?
24. Discuss the causes of the failure of the structural approach in India.
25. Indicate the objective of structural Approach.
26. Discuss the need of communication in English teaching.
27. What is curriculum framework ?
28. Write different approaches to grammar teaching.
29. What is grammar games or language games ?
30. Write the aims of language games.

# Long answer type questions

1. What are the principles of English as a second language? Explain it.
2. Discuss the factor affecting second language learning.
3. What is the behavioristic approaches to the teaching of English? Explain it.
4. What is the approaches of translation method teaching English at the elementary level?
5. What are the approaches of direct method of teaching English?
6. What are the approaches of bilingual method of teaching English?
7. What is the structural approach to the teaching of English? Explain it.
8. What is cognitive perspective on language learning? Explain it.
9. Write the communicative approach of English teaching. Also write its merits and demerits.
10. What is Text book? What is the importance of English Textbook?
11. Write the method of developing a good listening skill.
12. Why do pre- listening tools? Explain its various components.
13. What is a learning plan in Education? Explain it.
14. Defining Assessment methods and tools. Explain it.
15. Discuss testing language Skills, lexical, structure items, poetry, Prose and grammar with example.
16. What is the difference between silent and loud reading? Explain it.
17. Discuss the ways of developing writing skill.
18. Write an essay of six types of reading-
    (1) Loud reading (2) Silent reading (3) Intensive reading (4) Extensive reading (5) Supplementary reading (6) Library reading.
19. Discuss writing as process of brainstorming, mind map and drafting.
20. What are the causes of bad handwriting? What methods can be adopted to improce Handwriting?
21. Dictation is helpful in growing writing skills. Explain it.
22. What are the aims of teaching spelling? Discuss some of the devices you would adopt in teaching spelling.
23. Write about teaching of vocabulary. Explain it.
24. What are the various ways and mean by which you can teach the meaning of difficult words?
25. What is the importance of grammar in English teaching? Explain it.

# Paper Code - S-7
# Subject - Pedagogy of Mathematics-2

## लघु उत्तरीय प्रश्न

1. बच्चें गणित को पहेलियों द्वारा किस प्रकार सीखते हैं ? स्पष्ट करें।
2. औपचारिक गणित को ठोस अनुभवों से जोड़ने की आवश्यकता को उदाहरण द्वारा समझाइए।
3. शिक्षकों बच्चों की गलतियों से कैसे सीखते हैं ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।
4. प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण के उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।
5. खेल विधि के दोष बताइये।
6. रेखा गणित का अर्थ बताइये।
7. पैटर्न का महत्व बताइये।
8. भिन्न तथा दशमलव संख्याओं में समानता व अंतर बताइये।
9. दशमलव भिन्न के प्रकारों को बताइये।
10. गणित की योजना कैसे बनायी जाती है ? स्पष्ट कीजिए।
11. गणित शिक्षा में मूल्यांकन क्यों आवश्यक है ?
12. अधिगम केन्द्रित प्रणाली में आकलन की विशेषताएँ बताइये।
13. आकलन से आप क्या समझते हैं ? परिभाषा द्वारा स्पष्ट कीजिए।
14. ज्यामिति शिक्षण के लक्ष्य स्पष्ट कीजिए।
15. किरण से आप क्या समझते हैं ? चित्र से स्पष्ट कीजिए।
16. रेखा खण्ड को स्पष्ट कीजिए।
17. सम आकृतियाँ क्या होती है ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।
18. भिन्न को विभिन्न अर्थों में कैसे लिया जाता है ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।
19. संख्या किसे कहते हैं ? इसके प्रकारो को स्पष्ट कीजिए।
20. त्रिभुज पर संक्षिप्त टिप्पणी करें।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. गणित सीखने का एक संभावित क्रम स्पष्ट कीजिए।
2. गणित शिक्षण को रोचक बनाने के लिए किन–किन उपायों का उपयोग किया जा सकता है।
3. बच्चे खेल–खेल में सीखते हैं ? उदाहरण के साथ समझाये।
4. गणित खेल कितने प्रकार के होते है ? वर्णन कीजिए।
5. गणितीय ज्ञान दैनिक जीवन की समस्याओं के समाधान में सहायक हैं, कैसे ?
6. पाठ योजना से क्या अभिप्राय है ? पाठ्य योजना की आवश्यकता बताइये।

7. गणित के किसी एक प्रकरण पर पाठ योजना का निर्माण कीजिए।
8. गणित अधिगम के आकलन की विधाओं पर प्रकाश डालें।
9. समूह तथा स्व–आकलन को सविस्तार समझाइये ।
10. गणित में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन से आप क्या समझते हैं ? इसके उद्देश्यों का वर्णन करें।
11. गणित अधिगम के आकलन की प्रकृति का वर्णन करें।
12. खुली व बंद आकृतियाँ क्या होती है ? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।
13. ज्यामितीय से आप क्या समझते हैं ? ज्यामिति की प्राथमिकता को स्पष्ट कीजिए।
14. रेखा किसे कहते हैं ? रेखाएँ कितने प्रकार की होती है ? वर्णन कीजिए।
15. भिन्न की गणितीय संक्रियाओं का उदाहरण द्वारा विवेचन कीजिए।
16. दशमलव संख्याओं की गणितीय संक्रियाओं का वर्णन उदाहरण द्वारा कीजिए।
17. कोणों के कुछ प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए।

# Paper Code- S-8

## विषय–हिन्दी का शिक्षणशास्त्र–2

## लघु उत्तरीय प्रश्न

1. लेखन को स्पष्ट करें।
2. लेखन प्रक्रिया में आड़ी –तिरछी रेखाओं का उपयोगिता लिखें।
3. लेखन के उद्देश्यों को लिखें।
4. लेखन के महत्व स्पष्ट करें।
5. लेखन की आवश्यकता लिखें।
6. लेखन के प्रकार लिखें।
7. लेखन के प्रमुख विधियों का उल्लेख करें।
8. श्रुतलेख का आशय स्पष्ट करें।
9. अनुलेख और सुलेख में अंतर स्पष्ट करें।
10. वाक्य के भेद लिखें।
11. पोर्ट फोलियों का अर्थ स्पष्ट करें।
12. वर्ण की परिभाषा लिखें।
13. शब्द के प्रकारों को स्पष्ट करें।
14. जाँच सूची की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।
15. मौखिक आकलन की अवधारणा स्पष्ट करें।
16. अभिनय विधि की परिभाषा लिखें।
17. उपचारात्मक शिक्षण का अर्थ स्पष्ट करें।
18. उपचारात्मक एवं निदानात्मक शिक्षण में अंतर स्पष्ट करें।
19. वर्तनीगत अशुद्धियों के प्रमुख कारण लिखें।
20. उच्चारण दोष को कम करने के उपाय लिखें।
21. रेटिंग स्केल का आशय स्पष्ट करें।
22. पारंपरिक लेखन को परिभाषित करें।
23. पठन एवं लेखन के अंतःसंबंधों का उल्लेख करें।
24. सुलेख की उपयोगिता लिखें।
25. रचनात्मक शिक्षण की अवधारणा स्पष्ट करें।

## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. लेखन की संकल्पना एवं विकास की प्रक्रिया का वर्णन करें।
2. प्रारंभिक कक्षाओं में लेखन क्षमताओं को विकसित करने के तरीकों की व्याख्या करें।
3. लेखन में आने वाली समस्याओं एवं उनके समाधानों की व्याख्या करें।

4. हिन्दी सीखने की योजना के प्रमुख बिन्दुओं की व्याख्या करें।
5. सीखने की योजना के प्रमुख प्रकारों की व्याख्या करें।
6. रचनात्मक कक्षा शिक्षण में हिन्दी भाषा की प्रासंगिकता की व्याख्या करें।
7. हिन्दी शिक्षण की प्रमुख चुनौतियों का सोदाहरण व्याख्या करें।
8. भाषा संरचना में वर्ण एवं शब्द की भूमिका का वर्णन करें।
9. संदर्भ आधारित व्याकरण की विवेचना करें।
10. वर्तनी के अशुद्धियों को दूर करने में अभिभावकों की भूमिका का वर्णन करें।
11. हिन्दी शिक्षण में सतत् एवं समग्र आकलन की संकल्पना का व्याख्या करें।
12. हिन्दी भाषा के आकलन में प्रश्नों की भूमिका का वर्णन करें।
13. नाटक शिक्षण में अभिनय विधि की उपयोगिता का वर्णन करें।
14. शुरूआती लेखन से आप क्या समझते हैं ? विश्लेषण करें।
15. कक्षा शिक्षण में TLM की प्रासंगिकता का वर्णन करें।
16. प्रतिकात्मक लेखन एवं पारंपरिक लेखन की तुलनात्मक विवेचना करें।
17. प्रारंभिक कक्षाओं में लेखन क्षमता विकसित करने के तरीकों का विश्लेषण करें।
18. सीखने में संकेतों की समझ का व्याख्या करें।
19. भाषा शिक्षण में पत्र कहानी, कविता आदि लेखन के उद्देश्य स्पष्ट करें।
20. पठन एवं लेखन कौशल की तुलनात्मक विवेचना करें।

# Paper Code - S-9 (A)
# विषय–सामाजिक विज्ञान
# लघु उत्तरीय प्रश्न

1. सामाजिक विज्ञान से आप क्या समझते हैं ?
2. सामाजिक विज्ञान का क्या महत्व है ?
3. सामाजिक विज्ञान शिक्षण में कम्प्यूटर की उपयोगिता बताइए।
4. शिक्षण सहायक में इंटरनेट की भूमिका बताएं ?
5. उपलब्धि परीक्षण की परिभाषा दें ?
6. उपलब्धि परीक्षण के उद्देश्य एवं महत्व को बताएं ?
7. ब्लू प्रिंट / नील पत्र की परिभाषा और अर्थ लिखें।
8. नील पत्र / आदर्श प्रश्न पत्र निर्माण के समय ध्यान देने योग्य बातों को बताये।
9. नील पत्र के उद्देश्यों को बताएँ।
10. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के विशिष्ट उद्देश्य क्या है ?
11. पाठ्यक्रम से आप क्या समझते हैं ?
12. पाठ्यक्रम के आवश्यकता एवं महत्व को बताएं ?
13. इतिहास शिक्षण के मुख्य उद्देश्य क्या है ?
14. भूगोल शिक्षण की उपयोगिता को समझाये ?
15. समाजिक विज्ञान में अर्थशास्त्र के महत्व को समझाये ?
16. समाजिक विज्ञान शिक्षण की प्रमुख विधियाँ कौन–कौन सी है ?
17. समाजिक शिक्षण की व्याख्यान विधि क्या हैं ?
18. प्रयोगशाला विधि का वर्णन कीजिए ?
19. विचार विमर्श विधि क्या है ? इसके गुणों को बताएं ?
20. शाब्दिक संसाधन से आप क्या समझते है ?
21. प्रदर्शनात्मक सामग्री क्या है ?
22. मॉडल की उपयोगिता को समझाइये।
23. चित्र से आप क्या समझते हैं ?
24. चार्ट क्या है ? सामाजिक विज्ञान के शिक्षण में इसकी क्या उपयोगिता है ?
25. मानचित्र के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करें।
26. पोर्टफोलियो क्या है ? इसमें क्या–क्या होता है ?
27. उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अर्थशास्त्र शिक्षण के उद्देश्य का वर्णन करें।
28. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन क्या है ?
29. मूल्यांकन कैसे करते हैं ?
30. आकलित मूल्यांकन को स्पष्ट कीजिए।

# दीर्घउत्तरीय प्रश्न

1. सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र की विस्तृत व्याख्या कीजिए।
2. शिक्षा में सामाजिक विज्ञाान का क्या महत्व है ?
3. सामाजिक विज्ञान के स्वतंत्र, एकीकृत व बहुविषयी रूप का परिचय दें।
4. सामाजिक विज्ञान की प्रकृति का वर्णन करें ?
5. सामाजिक विज्ञान का अन्य विषयों (भूगोल, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, मानवशास्त्र, सामाजशास्त्र, मनोविज्ञान (दर्शनशास्त्र) से संबंध बताएँ ?
6. NCF 2005 एवं BCF 2008 के पाठ्यक्रम निर्माण के शिक्षा शास्त्रीय मान्यताओं की व्याख्या करें।
7. अवलोकन या प्रेक्षण विधि से आप क्या समझते हैं ? इसका उपयोग किस प्रकार करते हैं ?
8. प्रदर्शनी के क्या उद्देश्य हैं ? इसके कार्य, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन को समझाएं ?
9. संगोष्ठीयों का आयोजन किस प्रकार किया जाता है ? इसकी योजना क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन के बारे में समझाएं ?
10. पर्यटन के मुख्य सोपानों को स्पष्ट करें ?
11. इतिहास शिक्षण में प्रयुक्त की जाने वाली दृश्य श्रव्य सामग्री एवं श्रव्य दृश्य सामाग्रियों का वर्णन करें ?
12. वर्तमान सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम को कैसे प्रभावी बनाया जा सकता है ?
13. प्रोजेक्ट योजना विधि के गुणों एवं दोषों का वर्णन करें।
14. क्षेत्र पर्यटन के संचालन तथा लाभ बताएँ ?
15. सीखने की योजना से आप क्या समझते हैं ? इसकी आवश्यकता एवं महत्व को स्पष्ट करें ?
16. सामाजिक विज्ञान के मूल्यांकन की आधुनिक संकल्पना का विवेचन कीजिए ?
17. एक आदर्श मूल्यांकन अथवा जाँच पत्र की विशेषताओं को स्पष्ट करें ?
18. आधार पत्रक से आप क्या समझते हैं ? संक्षेप में व्याख्या करें ?
19. मूल्यांकन को एक सतत् एवं व्यापक प्रक्रिया के रूप में वर्णन कीजिए।
20. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन कैसे किया जाता है ? इसका वर्णन करें।
21. ब्लू प्रिंट किस प्रकार तैयार किया जाता है ? उदाहरण सहित बताएं।
22. सामाजिक विज्ञान में मूल्यांकन करने के लिए किन उपकरणों का उपयोग किया जाता है ? उनका उल्लेख कीजिए।
23. ग्रेडिंग से क्या आशय है ? ग्रेडिंग प्रणाली का वर्गीकरण किस प्रकार किया जा सकता है ?
24. सामाजिक विज्ञान एवं सामाजिक अध्ययन में क्या अंतर है ? स्पष्ट करें।
25. पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या में अंतर स्पष्ट करें।
26. सामाजिक विज्ञान की किन्हीं पाँच शिक्षण विधियों का वर्णन करें।

# Paper Code -S-9 (B)
# Subject - Pedagogy of Science

1. आस–पास की परिघटनाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझाइए।
2. विज्ञान के बढ़ते ज्ञान की सहायता से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी के तकनीकी के विकास का उत्तरोत्तर वर्णन कीजिए।
3. प्रश्नों के उत्तर खोजने में उनके प्रयोगों एवं सैद्धांतिक समझ के समावेशन का वर्णन करें।
4. विज्ञान शिक्षण के समस्या समाधान विधि का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।
5. विज्ञान की बुनियादी जिज्ञासा एवं शंका क्या है ? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
6. विज्ञान के द्वारा जाँच–पड़ताल के सिद्धांत को कैसे विकसित किया जाता है। वर्णन कीजिए।
7. विज्ञान के द्वारा कृषि,चिकित्सा, संचार एवं उद्योग के समझ का व्याख्यात्मक वर्णन कीजिए।
8. विज्ञान के समझ में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
9. विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 का व्याख्यात्मक वर्णन कीजिए।
10. विज्ञान शिक्षण में विज्ञान की प्रक्रियाओं अवलोकन, संकलन, वर्गीकरण एवं परिकल्पनाओं का वर्णन कीजिए।
11. विज्ञान शिक्षण के उद्देश्यों के अभिवृति एवं सृजनशीलता के शिक्षण के खोज का वर्णन करें।
12. विज्ञान शिक्षण के आयामों या तरीकों से किसी तथ्यों / घटनाओं का वर्णन कीजिए।
13. विज्ञान पाठ्यक्रम के आधारभूत सात थीम व उनके प्रमुख अवधारणाओं का वर्णन कीजिए।
14. विज्ञान की अवधाराणात्मक मानचित्रण की सहायता से प्रत्येक थीम व उससे संधित विषयवस्तु का वर्णन करें।
15. विज्ञान की प्रयोगशाला विधि क्या है ? वर्णन कीजिए।
16. विज्ञान शिक्षण की परियोजना (प्रोजेक्ट) विधि का उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।
17. विज्ञान शिक्षण के सर्वेक्षण विधि का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिएं
18. विज्ञान शिक्षण की प्रदर्शनी विधि का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।
19. कक्षा. 6 से कक्षा. 8 तक की विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में दिये गये क्रियाकलापों के आधार पर मोटर तथा चुम्बक कैसे बनाया जाता है। सचित्र वर्णन कीजिए।
20. विज्ञान शिक्षण में आई0 सी0 टी0 के उपयोगों को विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए।
21. विज्ञान शिक्षण की संगोष्ठी विधि का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए
22. विज्ञान शिक्षण में मूल्यांकन एवं आकलन के अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए।
23. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के साधन तकनीकी का वर्णन करें।
24. विज्ञान शिक्षण में स्थानीय भ्रमण विधि का वर्णन करें
25. विज्ञान शिक्षण के नमूना संग्रह विधि का वर्णन करें।

## दीर्घउत्तरीय प्रश्न

1. विज्ञान शिक्षण के परिप्रेक्ष्य में मन में उठने वाली जिज्ञासा के उद्देश्यों को लिखिये।
2. वैज्ञानिक चेतना क्या है ? व्याख्यात्मक वर्णन कीजिए।
3. वैज्ञानिक चिन्तन क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

4. विज्ञान शिक्षण के माध्यम से सृजनशीलता के विकास का वर्णन कीजिए।
5. विज्ञान शिक्षण के द्वारा अंधविश्वासों और पूर्वाग्रह को दूर करने के उपायों को स्पष्ट कीजिए।
6. विज्ञान के माध्यम से खोजपरक और युक्तिपूर्ण समाज को कैसे विकसित किया जाता है। व्याख्या कीजिये।
7. वैज्ञानिक दृष्टि के माध्यम से स्वास्थ्य समालोचनात्मक सोच एवं खुले दिमाग से सोचने की प्रवृत्ति को स्पष्ट करे।
8. विज्ञान की सर्वव्यापकता को समझाइये।
9. विज्ञान को दैनिक जीवन से कैसे जोड़ा जाता है, व्याख्या कीजिए।
10. शिक्षा के सामान्य उद्देश्य की प्राप्ति में विज्ञान शिक्षण में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं के भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
11. विज्ञान शिक्षण के माध्यम से बच्चों में वैचारिक स्तर पर लचीलापन के प्रमुख अभिवृत्तियों के विकास का वर्णन कीजिए।
12. विज्ञान शिक्षण के माध्यम से नवाचार की अभिवृत्तियों का विकासात्मक व्याख्या कीजिए।
13. बच्चों के वैचारिक स्तर पर उनकी रचनात्मक दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।
14. विज्ञान के प्रमुख सिद्धांतों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य समझाइये।
15. विज्ञान के अवधारणाओं के ऐतिहासिक दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए।
16. विज्ञान कक्षा की सहभागी अनुभव शिक्षण विधि का वर्णन कीजिए।
17. विज्ञान शिक्षण के परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन एवं आंकलन में अंतर स्पष्ट कीजिए।
18. विज्ञान शिक्षण में प्रयोग एवं अवलोकन संबंधी कौशलों का आकलन कीजिए।
19. विज्ञान शिक्षण में ICT की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।
20. सतत् एवं मूल्यांकन संबंधी तकनीकीओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(संक्षिप्त परिचय)

## डॉ० कृष्ण मुरारी अग्रवाल

डॉ० कृष्ण मुरारी अग्रवाल जी तारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन, आरा के सचिव पद पर आसीन है। पिता स्व० तारकेश्वर नारायण अग्रवाल के प्रथम सुपुत्र के रूप में पिता के द्वारा दिये संस्कारो के अनुरूप अपनी क्षेत्र में सफलता की उचाईयाँ प्राप्त कर रहे है। आपको शिक्षा के क्षेत्र में अति उत्कृष्ट कार्य करने हेतु अंतरराष्ट्रीय मंच पर डाक्ट्रेट की मानद् उपाधि से विभूषित किया गया है। भारत के विभिन्न संगोष्ठियों में शिरकत करने का आपको सौभाग्य प्राप्त हुआ है। समाजिक सहयोग के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हेतु आपको अनेको बार पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। शैक्षिक क्रांति का बीड़ा उठाकर उत्तम जीवन जीने के कुँजी हेतु शिक्षा के क्षेत्र में सतत् प्रयास करते हुए शैक्षिक और सामाजिक विकास की परम्परा में चार चाँद लगाकर कठिन परिश्रम एवं संघर्षों के उपरांत क्षेत्र को वृहद शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान प्रदान किये हैं।

पिता के स्मृति में इन्होने तारकेश्वर नारायण अग्रवाल एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के अंतर्गत सामाजिक सरोकार को समझते हुए राज्य एवं समाज की आवश्यकता के अनुरूप तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगाँव, आरा एवं भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, मोतिहारी की स्थापना किया। दोनों महाविद्यालय ग्राम्यांचल के खुश्नुमा माहौल एवं प्रदूषण मुक्त हरियाली से पोषित स्वच्छ वातावरण में स्थित हैं और सुसज्जित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कक्षा कक्ष एवं सभी विभागों से पूर्ण है। इन महाविद्यालयों की स्थापना गिरते मूल्य और कुशल शिक्षकों की कमी को पूरा करने एवं योग्य और अनुभवी शिक्षकों को तकनीकी युक्त प्रशिक्षण के माधयम से तैयार कर सम्पूर्ण देश एवं बिहार में शिक्षकों की कमी को पूरा किये जाने के प्रसंग में किया गया है, जिससे समाज में गुणवत्ता युक्त शिक्षक प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित शिक्षको को तैयार किया जाता है। महाविद्यालय में रक्त-दान शिविर, उनमुक्त गगन शिविर, शैक्षिक परिभ्रमण जैसे सह-शैक्षणिक गतिविधियों का समयानुसार आयोजन किया जाता है। शैक्षिक जगत में इनके नित नये प्रयोगों कि स्वीकारिता प्रदर्शित होती है। समाज के हर वर्ग की सेवा करने के लिए ये सदैव समर्पित रहते हैं।

संपादक

मूल्य ₹ 500/-

Printed at : Creativ art, Mob. : 9334127647